पेज @ 9

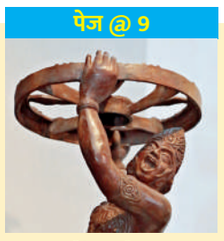

जयपुर में दर्शाए बनारस के घाट और महाभारत

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

विधानसभा चुनाव 2023
काउंटडाउन 23 दिन शेष

वर्ष: 2 | अंक: 325 | जयपुर, शुक्रवार, 03 नवंबर, 2023 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष- षष्ठी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

कांग्रेस की तीसरी गारंटी

कॉलेज शुरू करने पर फ्री लैपटॉप/टैबलेट

राजस्थान सरकार के हर कॉलेज के पहले वर्ष में

गारंटी में अपना नाम दर्ज कराने के लिये मिस्ड कॉल दें 8587070707

जरूरी खबर

एप्पल को भेजा नोटिस, सीईआरटी-इन ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने गुरुवार को कहा कि विपक्षी दलों के सांसदों ने एप्पल की ओर से उन्हें भेजे गए चेतावनी के संदेश का जो मुद्दा उठाया था, उसकी जांच सीईआरटी-इन ने शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में कंपनी को नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एप्पल इस मुद्दे पर सीईआरटी-इन की जांच में सहयोग करेगा। कृष्णन ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'सीईआरटी-इन ने अपनी जांच शुरू कर दी है...वे (एप्पल) इस जांच में सहयोग करेंगे।'

अमेरिका ने लगाया 130 कंपनियों पर प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध में रूस को सहायता प्राप्त करने से रोकने के लिए तुर्किये, चीन व यूएई की 130 कंपनियों पर गुरुवार को प्रतिबंध लगा दिया। वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय द्वारा घोषित प्रतिबंध तीसरे पक्ष की कंपनियों और उन लोगों पर लगाए गए हैं, जिन पर युद्ध के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद में रूस की सहायता करने का आरोप है। तुर्किये के नागरिक बर्क तुर्केन और उनकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिन पर रूसी खुफिया विभाग से संबंध रखने का आरोप है।

ये भी देखें...

भाजपा-कांग्रेस की 144 सीटों पर बिछी बिसात — पेज-2

नामांकन में लंबी रैली से दिखाया दमखम — पेज-3

भाजपा की लिस्ट के बाद मारवाड़ की तस्वीर साफ — पेज-5

भाजपा की तीसरी सूची में 58 प्रत्याशी घोषित: टोंक से पायलट के सामने अजीत मेहता मैदान में

गहलोत के सामने ताल ठोकेंगे राठौड़

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर भाजपा ने गुरुवार को 58 प्रत्याशियों की सूची जारी की। पार्टी अब तक 182 नाम घोषित कर चुकी है। हालांकि तीन सूचियों के बाद भी 18 सीटों पर प्रत्याशी घोषित होने बाकी हैं। भाजपा ने पहली सूची में 41 और दूसरी लिस्ट में 83 प्रत्याशियों की घोषणा की थी।

बहरहाल, भाजपा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ सरदारपुरा से महेंद्र सिंह राठौड़ और टोंक से कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के सामने पूर्व विधायक अजीत मेहता भाजपा प्रत्याशी बनाया है। साथ ही, इस तीसरी सूची में पार्टी ने सात महिलाओं को टिकट थमाया है।

बुध को भाजपा में, गुरुवार को टिकट

सीकर की खंडेला विधानसभा सीट पर भाजपा ने कांग्रेस से बुधवार को आए सुभाष मील को प्रत्याशी बनाया है। बुधवार को ही भाजपा में शामिल हुए दर्शन सिंह गुर्जर को करौली और उदयलाल डांगी को वल्लभनगर से टिकट मिला है। सादुलपुर से भाजपा ने सुमित्रा पूनिया को टिकट दिया है। सुमित्रा कांग्रेस के पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया की पुत्रवधू हैं। नन्दलाल पूनिया 28 अक्टूबर को ही भाजपा में शामिल हुए थे।

इन पर प्रत्याशी घोषित होने बाकी

भाजपा अभी चौथी और पांचवी सूची भी जारी कर सकती है। दरअसल, अभी हनुमानगढ़, सरदारशहर, शाहपुरा, सिविल लाइंस, आदर्श नगर, किशनपोल, भरतपुर, बाड़ी, राजाखेड़ा, टोडाभीम, मसूदा, शेरगढ़, शिव, बाड़मेर, पचपदरा, मावली, पीपल्दा और कोटा उत्तर ऐसी विधानसभा सीट है जहां भाजपा ने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं।

परिवारवाद भी चला

महवा सीट से भाजपा ने किरोड़ी लाल मीणा के भतीजे राजेंद्र मीणा को टिकट दिया है। रामगढ़ सीट से वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा के भतीजे जय आहूजा को टिकट मिला है। वहीं कोलायत से देवीसिंह भाटी की पुत्रवधू पूनम कंवर को उम्मीदवार बनाया गया है। उधर, लाडनूं से पूर्व विधायक मनोहर सिंह के पुत्र करणी सिंह को और नदबई से पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के पुत्र जगत सिंह को टिकट दिया गया है।

तीसरी लिस्ट में इन 58 प्रत्याशियों के नाम

1. सादुलशहर	गुरवीर सिंह बराड़	30. लाडनूं	करणी सिंह
2. करणपुर	सुरेंद्र पाल सिंह	31. डीडवाना	जितेंद्र सिंह
3.सूरतगढ़	रामप्रताप कासनिया	32.खींवसर	रेवतराम डांगा
4.खाजूवाला	डॉ. विश्वनाथ मेघवाल	33. डेगाना	अजयसिंह किलक
5. कोलायत	पूनम कंवर	34. मारवाड़ जंक्शन	केसाराम चौधरी
6. सादुलशहर	सुमित्रा पूनिया	35. फलौदी	पब्बाराम विश्नोई
7. पिलानी	राजेश दहिया	36. लोहावट	गजेंद्र सिंह खींवसर
8. खेतड़ी	धर्मपाल गुर्जर	37. ओसियां	भैराराम चौधरी
9. सीकर	रतनलाल जलधारी	38. भोपालगढ़	कमसा मेघवाल
10. विराटनगर	कुलदीप धनखड़	39.सरदारपुरा	महेन्द्रसिंह राठौड़
11. जमवारामगढ़	महेंद्र पाल मीणा	40. जोधपुर	अतुल भंसाली
12. हवामहल	बाल मुकुंदाचार्य	41. लूणी	जोगाराम पटेल
13. किशनगढ़बास	रामहेत यादव	42. जैसलमेर	छोटू सिंह
14.बहरोड़	जसवंत यादव	43. गुढ़ामालानी	केके बिश्नोई
15.खंडेला	सुभाष मील	44. भीनमाल	पूराराम चौधरी
16.रामगढ़	जय आहूजा	45.रानीवाड़ा	नारायण सिंह देवल
17. राजगढ़-लक्ष्मणगढ	बन्नाराम	46. वल्लभनगर	उदयलाल डांगी
18.कठूमर	रमेश खींची	47. बांसवाड़ा	धनसिंह रावत
19. कामां	नौक्षम चौधरी	48. कपासन	अर्जुनलाल जीनगर
20.नदबई	जगत सिंह	49. बेंगू	डॉ. सुरेश धाकड़
21. बयाना	बच्चूसिंह बंशीवाल	50. भ्रीम	हरिसिंह चौहान
22. बसेड़ी	सुखराम कोली	51. शाहपुरा	लालाराम बैरवा
23. करौली	दर्शन सिंह गुर्जर	52. हिंडौली	प्रभुलाल सैनी
24. महुवा	राजेंद्र मीणा	53. केशवरायपाटन	चंद्रकांता मेघवाल
25. सिकराय	विक्रम बंशीवाल	54. लाडपुरा	कल्पना देवी
26.गंगापुर	मानसिंह गुर्जर	55.. रामगंजमंडी	मदन दिलावर
27.दौसा	शंकरलाल शर्मा	56. अंता	कंवरलाल मीणा
28.निवाई	रामसहाय वर्मा	57. किशनगंज	ललित मीणा
29. टोंक	अजीतसिंह मेहता	58. बारां-अटरू	सारिका चौधरी

सूची में सात महिलाएं शामिल

भाजपा ने तीसरी सूची में सात महिलाओं पर भी भरोसा जताया हैं। लिस्ट में कोलायत से पूनम कुमार भाटी, सादुलपुर से सुमित्रा पूनिया, कामां से नौक्षम चौधरी, भोपालगढ़ से कमसा मेघवाल, केशवराय पाटन से चंद्रकांता मेघवाल, लाडपुरा से कल्पना देवी और बारां-अटरू से सारिका चौहान को प्रत्याशी घोषित किया हैं।

पिछले बागियों को दिया मौका

इस सूची में पार्टी ने पिछले चुनाव में पार्टी से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वालों को भी फिर से पार्टी ने मौका दिया है। ये कुलदीप धनखड़, रमेश खींची, धनसिंह रावत और सुखराम कोली बताए जाते हैं। वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल के क्षेत्र शाहपुरा से लालाराम बैरवा को टिकट दिया गया है।

इन वरिष्ठ नेताओं को नहीं मिला टिकट

पार्टी ने रामसिंह कस्वां, कैलाश मेघवाल, बाबूलाल वर्मा, सुरेन्द्र पारीक, बंशीधर बाजिया, कृष्णेन्द्र कौर दीपा, शंभू सिंह खेतासर, ओमेन्द्र सिंह हाड़ा सहित कुछ वरिष्ठ नेताओं को पार्टी ने टिकट नहीं दिया है।

मुस्लिम बहुल क्षेत्र में महंत

जयपुर की मुस्लिम बाहुल्य हवामहल सीट से महंत बाल मुकुंदाचार्य को टिकट मिला है। दौसा से लगातार तीसरी बार शंकर शर्मा को टिकट दिया गया है। शंकर शर्मा हरियाणा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं।

आठ विधायकों को भी टिकट

भाजपा की तीसरी सूची में आठ विधायकों को टिकट दिया है। सूरतगढ़ से रामप्रताप कासनिया, फलौदी से पब्बाराम बिश्नोई, भीनमाल से पूराराम चौधरी, रानीवाड़ा से नारायण सिंह देवल, कपासन से अर्जुनलाल जीनगर, केशोरायपाटन से चंद्रकांता मेघवाल, लाडपुरा से कल्पना देवी और रामगंजमंडी से मदन दिलावर को टिकट दिया गया है। वहीं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के करीबी माने जाने वाले यूनुस खान को भी अब तक टिकट नहीं दिया है।

टीम इंडिया ने श्रीलंका को किया नेस्तनाबूद: मैन ऑफ द मैच शामी का कातिलाना पंजा

भारत की WC सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री

एजेंसी | मुंबई

भारत ने गुरुवार को वर्ल्ड कप 2023 में श्रीलंका को नेस्तनाबूद कर दिया। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 302 रन से जीत दर्ज की। भारत ने सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। भारत 14 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गया है। बता दें कि भारत ने रनों के लिहाज से वर्ल्ड कप इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत हासिल की। शुभमन गिल (92), विराट कोहली (88) और श्रेयस अय्यर (82) की शानदार बैटिंग के दम पर भारत ने टॉस हारने के बाद 357/8 का स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 19.4 ओवर में 55 रन पर सिमट गई। मोहम्मद शामी ने कातिलाना पंजा मारा। उन्होंने 5 ओवर में 18 रन देकर 5 विकेट चटकाए। मोहम्मद सिराज ने तीन, जबकि जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ने एक-एक शिकार किया।

पहली बॉल पर विकेट लेने वाले पहले भारतीय बुमराह

श्रीलंका के खिलाफ जसप्रीत बुमराह ने पहली ही गेंद पर पाथुम निसांका को एलबीडब्ल्यू आउट कर वे विश्व कप में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इस विकेट के साथ विश्व कप 2023 में जसप्रीत बुमराह के 14 विकेट हो गए हैं।

शामी वर्ल्ड कप में 45 विकेट लेने वाले पहले इंडियन

मोहम्मद शामी 14 वर्ल्ड कप मैचों में 45 विकेट पूरे कर श्रीनाथ और जहीर खान के 44-44 विकेट का रिकॉर्ड तोड़ा। साथ ही, वे वर्ल्डकप में 4 बार 5 विकेट लेने वाले पहले इंडियन बॉलर बने।

भाजपा ने राजस्थान के लिए जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इनमें पीएम नरेंद्र मोदी, नडडा, राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गड़करी, योगी आदित्यनाथ, शिवराज सिंह चौहान, हिमंत बिस्वा, पीयूष गोयल, प्रह्लाद जोशी, धर्मेन्द्र प्रधान, स्मृति ईरानी, गजेन्द्र शेखावत, भूपेन्द्र यादव, अनुराग ठाकुर, अर्जुन मेघवाल, पुरुषोत्तम रूपाला, अर्जुन मुंडा, कैलाश चौधरी, कृष्णपाल गुर्जर, डॉ. संजीव बालियान, अरुण सिंह, सीपी जोशी, वसुंधरा राजे, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनियां, ओम माथुर, केशव मौर्य, नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, चन्द्रशेखर, अलका गुर्जर, डॉ. किरोड़ी लाल, मनोज तिवारी, घनश्याम तिवाड़ी, राजेंद्र गहलोत, अरुण चतुर्वेदी, कनकमल कटारा, पीपी चौधरी, रंजीता कोली है।

सब पर कार्रवाई करने वाली ईडी का अधिकारी पकड़ा गया

एसीबी ने ED अफसर और JA को 15 लाख की घूस लेते दबोचा

- चिटफंड केस में गिरफ्तारी और प्रॉपर्टी अटैच नहीं करने का सौदा
- दोस्त ईडी अफसर के लिए ले रहा था सब रजिस्ट्रार का बाबू रिश्वत
- ACB के राडार पर पहले भी आ चुके सेंट्रल गवर्नमेंट के अधिकारी

बेधड़क | जयपुर

एक चिटफंड प्रकरण में गिरफ्तारी और प्रॉपर्टी अटैच नहीं करने की एवज में ईडी के प्रवर्तन अधिकारी और सब रजिस्ट्रार कार्यालय के कनिष्ठ सहायक को 15 लाख रुपए की घूस लेते भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

ईडी के प्रवर्तन अधिकारी नवल किशोर मीणा अपने बचपन के दोस्त बाबूलाल मीणा के मार्फत हरियाणा निवासी एसीबी के परिवादी को बार-बार धमकी देकर 17 लाख रुपए घूस की

डिमांड कर रहा था।

आरोपी बाबूलाल मीणा परिवादी से नीमराना जापानी जोन में मुंह पर रुमाल बांधकर घूस की राशि लेने आया था। तब एसीबी ने दबोच लिया और उससे पूछताछ के बाद आरोपी नवल किशोर मीणा को भी गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने दोनों आरोपियों के घर पर भी तलाशी ली।

13 दिन पहले दी थी शिकायत

एसीबी को हरियाणा निवासी एक व्यक्ति ने 20 अक्टूबर को शिकायत की थी कि ईडी सब जोन इंफाल मणिपुर कार्यालय में दर्ज चिटफंड के एक प्रकरण की जांच प्रवर्तन अधिकारी (ईओ) नवल किशोर मीणा कर रहा है, जो परिवादी से अपने साथी बाबूलाल मीणा के माध्यम से घूस मांग रहा है। बाबूलाल उप पंजीयक कार्यालय, मुंडावर में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत है। एसीबी की शिकायत पर डीआईजी डॉ. रवि के सुपरविजन में एडिशनल एसपी हिमांशु ने शिकायत का सत्यापन किया। फिर, एसीबी ने परिवादी को घूस की राशि देकर निमराना भेजा। जहां पर एसीबी ने नवल किशोर व बाबूलाल को घूस लेते दबोच लिया।

जीएसटी के अधीक्षक और इंस्पेक्टर को किया था गिरफ्तार

तीन साल पहले सीजीएसटी के सुपरिटेंडेंट रामस्वरूप व इंस्पेक्टर सुनील ने नोटिस को फाइल करने की एवज में कस्टम विभाग के ऑफिस में ही 40 हजार रुपए घूस ली थी। वहीं, रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मंत्रालय के एक्सईएन दानसिंह मीणा और टेक्निकल असिस्टेंट सीताराम वर्मा को 50 हजार रुपए लेते हुए जयपुर में ट्रैप किया। इन्होंने बीकानेर में हाईवे पर पेट्रोल पंप के लिए एनओसी देने की एवज में रिश्वत मांगी थी। इसी तरह, चार साल पहले सीबीआई इंस्पेक्टर प्रकाश चंद के दलाल शांतिलाल को 30 लाख रुपए की रिश्वत लेते दबोचा था। उसके कब्जे से 45 लाख रुपए के 11 चेक भी मिले थे। वहीं, एसीबी ने कोटा रेल मंडल के रेलवे के चीफ इंजीनियर घनश्याम शर्मा को 35 हजार रुपए की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा था। यह राशि ठेके पर लगी पिकअप वैन के बिलों के बकाया भुगतान करने की एवज में ली थी।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

जरूरी खबर

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने जारी की तीसरी लिस्ट

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए तीसरी लिस्ट जारी की है। हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने नागौर जिले की जायल विधानसभा सीट से बीएल भाटी और चूरू जिले की सुजानगढ़ सीट से बाबूलाल कुलदीप को अपना उम्मीदवार बनाया है। अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व इन दोनों ही सीटों पर आरएलपी की मौजूदगी से त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है। बीएल भाटी वसुंधरा राजे के करीबी और पूर्व मंत्री यूनुस खान के ओएसडी रहे है। उदयलाल को बेनीवाल का खासा करीबी बताया जाता था।

राजनाथ सिंह आज राजसमंद और नाथद्वारा में

जयपुर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को एक दिवसीय प्रवास पर राजस्थान आएंगे। इस दौरान वे नाथद्वारा के श्रीनाथ जी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। सिंह सुबह 10 बजे दिल्ली से रवाना होकर 11:15 पर उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। रक्षा मंत्री दोपहर करीब एक बजे राजसमंद में भाजपा प्रत्याशी माहेश्वरी की नामांकन सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद नाथद्वारा के रसाला चौक पहुंचकर भाजपा प्रत्याशी कुंवर विश्वराज सिंह की नामांकन रैली को संबोधित करेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे उदयपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

आमेर से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे राजकुमार शर्मा

जयपुर। विधानसभा चुनाव के बीच उम्मीदवारों का चयन पार्टियों के लिए मुसिबत का सबब बन रहा है। टिकट नहीं मिलने से नाराज नेता लगातार बगावत कर रहे हैं। आमेर विधानसभा से भाजपा से दावेदारी जता रहे राजकुमार शर्मा बागड़ा ने भी टिकट कटने पर नाराजगी जताई है। राजकुमार शर्मा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। शर्मा ने बताया कि कार्यकर्ताओ की मीटिंग आयोजित कर नामांकन तिथि का शीघ्र ऐलान किया जाएगा।

भगवा पार्टी की तीसरी सूची में हिंदुत्व कार्ड

BJP-कांग्रेस की 144 सीटों पर बिछी बिसात

■ बीजेपी ने अब तक 182 तो कांग्रेस ने 156 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा ने बुधवार को तीसरी सूची जारी कर दी है। भाजपा की लिस्ट में हिंदुत्व की झलक साफ दिखाई दे रही है। भाजपा और कांग्रेस की सूचियां जारी होने के बाद अब तक 144 सीटें ऐसी हैं, जहां दोनों ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।

तीसरी लिस्ट में सरदारपुरा सीट पर सीएम अशोक गहलोत के सामने भाजपा ने महेंद्र सिंह राठौड़ को उतारा है। टोंक में सचिन पायलट के सामने अजीत सिंह मेहता मैदान में होंगे। पूर्व जेडीए अध्यक्ष प्रोफेसर महेन्द्र सिंह राठौड़ को भाजपा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने उतारा है। यह राजपूत समाज से आते हैं। हालांकि भाजपा यहां से राजपूत प्रत्याशी को ही उतारती है। पिछली बार 2018 में शंभू सिंह खेतासर को मैदान में उतारा था।

पायलट के सामने अजीत मेहता

टोंक में सचिन पायलट के सामने टोंक से पूर्व विधायक अजीत मेहता को प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता 2013 में विधायक बने थे। 2018 के चुनावों में इनका टिकट काटकर पूर्व मंत्री यूनुस खान को दिया था। यूनुस खान पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट से 54 हजार से ज्यादा मतों से एकतरफा चुनाव हारे थे। भाजपा 1980 से जैन समाज के नेता को टिकट देती आई है।

हारे हुए प्रत्याशियों पर दांव

इस सूची में भाजपा ने 29 विधानसभा सीटों पर पिछली बार हारे हुए प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है। इनमें से 24 पूर्व विधायक हैं। करणपुर से सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, खेतड़ी से धर्मपाल गुर्जर, सीकर से रतन जलधारी, किशनगढ़बास से रामहेत सिह यादव, बहरोड़ से जसवंत यादव, बयाना से बच्चू सिंह बंशीवाल, बसेड़ी से सुखराम कोली, दौसा से शंकरलाल शर्मा, गंगापुर से मानसिंह गुर्जर, टोंक से अजीत मेहता, डेगाना से अजय सिंह किलक, मारवाड़ जंक्शन से केसाराम चौधरी, लोहावट से गजेंद्र सिंह खींवसर, ओसियां से भेराराम चौधरी, भोपालगढ़ से कमसा मेघवाल, जोधपुर से अतुल भंसाली, लूणी से जोगाराम पटेल, जैसलमेर से छोटूसिंह भाटी, बांसवाड़ा से धनसिंह रावत, बेगूं से सुरेश धाकड़, भीम से हरिसिंह चौहान, हिंडौली से प्रभुलाल सैनी, अंता से कंवरलाल मीणा और किशनगंज से ललित मीणा के नाम शामिल हैं।

पिछले चुनाव में 50 सीट हारी थी भाजपा

गुरुवार को जारी भाजपा की सूची में 58 में से 50 सीटें भाजपा के पास नहीं थीं। ऐसे में दर्जनभर प्रत्याशियों ने चौंकाया है। कई प्रमुख चेहरों के टिकट काटे गए हैं। गत चुनाव में भाजपा यहां हारी थी।

अब तक 21-21 महिला प्रत्याशी

चौथी सूची आने से पहले भाजपा ने 14 महिलाओं को मौका दिया था और इस सूची में 7 महिलाएं और शामिल हो गईं। कुल मिलाकर अब 182 सीटों पर 21 महिला प्रत्याशी हैं। कांग्रेस की बात करें तो अब तक 5 सूचियों में कुल 156 सीटों पर चेहरे साफ हो गए हैं। इनमें से 21 महिलाओं को मौका दिया गया है।

हिंदुत्व का संदेश

इस सूची से भाजपा ने पूरी तरह हिंदुत्व का संदेश दिया है। गत चुनावों 2018 के एकमात्र मुस्लिम चेहरे यूनुस खान को भी टिकट नहीं मिला है। वहीं हिंदुत्व व धर्म गुरुओं को टिकट दिया है। अलवर तिजारा सीट से बाबा बालकनाथ, जैसलमेर से महंत प्रतापपुरी और हवामहल विधानसभा सीट से बालमुकुंद आचार्य को मौका दिया गया है। वहीं कट्टर चेहरा रहे रामगढ़ से ज्ञानदेव आहूजा के भतीजे जय आहूजा को टिकट दिया गया है।

नहीं बदले टिकट

कुछ सीटों पर जबरदस्त विरोध के बाद भी भाजपा अपने घोषित चेहरों पर अड़िग रही। चित्तौड़गढ़ सीट पर चंद्रभान सिंह आक्या के विरोध के बाद भी न टिकट बदला ना उन्हें प्रत्याशी बनाया गया। वहीं झोटवाड़ा से राजपाल सिंह शेखावत, सूर्यकांता व्यास, मोहनराम चौधरी, रूपाराम मुरावतिया जैसे नेताओं ने टिकट कटने के कारण विरोध जताया लेकिन पार्टी ने कोई रियायत नहीं दी। कोटा की लाडपुरा सीट से वसुंधरा राजे के समर्थक पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत टिकट मांग रहे थे। इसके लिए उन्होंने दवाब भी बनाया। भवानी सिंह नामांकन भरने की घोषणा कर चुके हैं। पार्टी दबाव में नहीं आई। इनका नाम सूची में नहीं हैं। हालांकि वसुंधरा राजे समर्थक माने जाने वाले प्रभुलाल सैनी, गजेंद्र सिंह खींवसर, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, जसवंत सिंह यादव, अजय सिंह किलक सहित 7 पूर्व मंत्रियों को टिकट दिए गए हैं।

कांग्रेस ने नियुक्त किए पांच विशेष पर्यवेक्षक

कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को अपने वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए वासनिक, हुड्डा, जितेंद्र सिंह, शक्ति सिंह गोहिल और शकील अहमद खान को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

इन सीटों पर उम्मीदवारों की तस्वीर साफ

विधानसभा सीट	कांग्रेस	भाजपा
बागीदौरा	महेन्द्रजीत मालवीया	कृष्णा कटारा
प्रतापगढ़	रामलाल मीणा	हेमंत मीणा
नोहर	अमित चाचाण	अभिषेक माटोरिया
सांगानेर	पुष्पेन्द्र भारद्वाज	भजनलाल शर्मा
मालवीय नगर	डॉ. अर्चना शर्मा	कालीचरण सराफ
नाथद्वारा	डॉ.सीपी जोशी	विश्वराज सिंह मेवाड़
जायल	मंजू देवी मेघवाल	मन्जू बाघमार
सवाई माधोपुर	दानिश अबरार	डॉ. किरोड़ी मीणा
लक्ष्मणगढ़	गोविंद सिंह डोटासरा	सुभाष महरिया
मंडावा	रीटा चौधरी	नरेन्द्र खीचड़
कुशलगढ़	रमिता खड़िया	भीमा डामोर
बायतू	हरीश चौधरी	बालाराम मूंढ
सुजानगढ़	मनोज मेघवाल	संतोष मेघवाल
मुंडावर	ललित कुमार यादव	मनजीत चौधरी
अलवर ग्रामीण	टीकाराम जूली	जयराम जाटव
परबतसर	रामनिवास गावड़िया	मानसिंह किनसरिया
डूंगरपूर	गणेश घोघरा	बंशीलाल कटारा
मांडलगढ़	विवेक धाकड़	गोपाल लाल शर्मा
श्रीगंगानगर	अंकुर मगलानी	जयदीप बिहाणी
रायसिंह नगर	सोहन लायक	बलवीर सिंह लूथरा
अनुपगढ़	शिमला देवी नायक	संतोष बावरी
पीलीबंगा	विनोद गोठवाल	धर्मेंद्र मोची
बीकानेर ईस्ट	यशपाल गहलोत	सिद्धी कुमारी
लूणकरणसर	डॉ. राजेंद्र मूंड	सुमित गोदारा
चूरू	रफीक मंडेलिया	हरलाल सहारण
श्रीमाधोपुर	दीपेंद्र सिंह	झाबर सिंह खर्रा
तिजारा	इमरान खान	बालकनाथ
थानागाजी	कांति प्रसाद मीणा	हेम सिंह भड़ाना
हिंडौन	अनिता जाटव	राजकुमारी जाटव
बामनवास	इंद्रा मीणा	राजेंद्र मीणा
किशनगढ़	विकास चौधरी	भागीरथ चौधरी
अजमेर	द्रोपदी कोली	अनिता भदेल
नसीराबाद	प्रकाश गुर्जर	रामस्वरूप लांबा
ब्यावर	पारसपंच जैन	शंकर सिंह रावत
मकराना	जाकिर हुसैन गेसावत	सुमिता भींचर
जैतारण	सुरेंद्र गोयल	अविनाश गहलोत
पाली	भीमराज भाटी	ज्ञानचंद पारख
बाली	बद्रीराम जाखड़	पुष्पेंद्र सिंह राणावत
बिलाड़ा	मोहन लाल कटारिया	अर्जुनलाल गर्ग
सिवाना	मानवेंद्र सिंह	हम्मीर सिंह भायल
चोहटन	पदमाराम मेघवाल	आदूराम मेघवाल
जालौर	रमिला मेघवाल	जोगेश्वर गर्ग
पिंडवाड़ा-आबू	लीलाराम गरासिया	समाराम गरासिया
गोगुंदा	मांगीलाल गरासिया	प्रताप लाल गमेती
उदयपुर ग्रामीण	विवेक कटारा	फूल सिंह मीणा
उदयपुर	गौरव वल्लभ	ताराचंद जैन
धारियावाद	नागराज मीणा	कन्हैयालाल मीणा
आसपुर	राकेश रोट	गोपीचंद मीणा
सागवाड़ा	कैलाश कुमार भील	शंकर लाल डेचा
गढ़ी	शंकर लाल चारपोटा	कैलाश चंद्र मीणा
बड़ी सादड़ी	बद्री लाल जाट	गौतम सिंह डाक
कुंभलगढ़	योगेंद्र सिंह परमार	सुरेंद्र सिंह राठौड़
राजसमंद	नारायण सिंह भाटी	दीप्ती माहेश्वरी
बूंदी	हरिमोहन शर्मा	अशोक डोगरा
सांगोद	भानू प्रताप सिंह	हीरालाल नागर
छबड़ा	करण सिंह राठौड़	प्रताप सिंह सिंघवी
डग	चेतराज गहलोत	कालूलाल मेघवाल
खानपुर	सुरेश गुर्जर	नरेंद्र नागर
मनोहर थाना	नेमीचंद मीणा	गोविंद्र रानिपुरिया
फुलेरा	विद्याधर मील	निर्मल कुमावत
पोकरण	सालेह मोहम्मद	प्रताप पुरी महाराज
आसींद	हंगामी लाल मेवाड़ा	झब्बर सिंह सांखला
जहाजपुर	धीरज गुर्जर	गोपीचंद मीणा
बीकानेर	पश्चिम बीडी कल्ला	जेठानंद व्यास
नोखा(बीकानेर)	सुशीला डूडी	बिहारी लाल बिश्नोई
झुंझुनूं	बृजेंद्र ओला	बबलू चौधरी
नवलगढ़	राजकुमार शर्मा	विक्रम सिंह जाखल
फतेहपुर	हाकम अली खान	श्रवण चौधरी
नीमकाथाना	सुरेश मोदी	प्रेम सिंह बाजोर
कोटपूतली	राजेंद्र यादव	हंसराज पटेल गुर्जर
दूदू	बाबूलाल नागर	डॉ. प्रेमचंद बैरवा

विधानसभा सीट	कांग्रेस	भाजपा
बस्सी	लक्ष्मण मीणा	चंद्रमोहन मीणा
बानसू	शकुंतला रावत	देवी सिंह शेखावत
डीग कुम्हेर	विश्वेन्द्र सिंह	डॉ. शैलेश सिंह
वैर	भजनलाल जाटव	बहादुर सिंह कोली
लालसोट	परसादी लाल मीणा	रामबिलास मीणा
खंडार	अशोक बैरवा	जितेंद्र गोठवाल
पुष्कर	नसीम अख्तर इंसाफ	सुरेश सिंह रावत
केकड़ी	डॉ. रघु शर्मा	शत्रुघ्न गौतम
नावां	महेंद्र चौधरी	विजय सिंह चौधरी
सोजत	निरंजन आर्य	शोभा चौहान
सांचोर	सुखराम बिश्नोई	देवजी पटेल
सिरोही	संयम लोढ़ा	ओटाराम देवासी
खेरवाड़ा	दयाराम परमार	नानालाल आहरी
सलूंबर	रघुवीर मीणा	अमृतलाल मीणा
घाटोल	नानालाल निनामा	मानशंकर निनामा
निंबाहेड़ा	उदयलाल आंजना	श्रीचंद कृपलानी
मांडल	रामलाल जाट	उदयलाल भड़ाना
सादुलशहर	जगदीश चंद्र जांगिड़	गुरवीर सिंह बराड़
करणपुर	गुरवीर सिंह कुन्नर	सुरेंद्र पाल सिंह
सूरतगढ़	डूंगरराम गेदर	राम प्रताप कासनिया
खाजूवाला	गोविंदराम मेघवाल	विश्वनाथ मेघवाल
कोलायत	भंवर सिंह भाटी	पूनम कंवर भाटी
सादुलपुर	कृष्णा पूनिया	सुमित्रा पूनिया
सीकर	राजेंद्र पारीक	रतनलाल जलधारी
खंडेला	महादेव सिंह	सुभाष मील
विराटनगर	इंद्राज सिंह गुर्जर	कुलदीप धनखड़
किशनगढ़बास	दीपचंद खेरिया	रामहेत सिंह यादव
बहरोड़	संजय यादव	जसवंत सिंह यादव
रामगढ़	जुबेर खान	जय आहूजा
राजगढ़ लक्ष्मणगढ़	मांगीलाल मीणा	बन्नाराम मीणा
कठूमर	संजना जाटव	रमेश खिंची
नदबई	जोगेंद्र सिंह अवाना	जगत सिंह
बयाना	अमरसिंह जाटव	बच्चू सिंह बंशीवाल
बसेड़ी	संजय कुमार जाटव	सुखराम कोली
करौली	लाखन सिंह मीणा	दर्शन सिंह गुर्जर
महुआ	ओमप्रकाश हुड़ला	राजेंद्र मीणा
सिकराय	ममता भूपेश	विक्रम बंशीवाल
दौसा	मुरारीलाल मीणा	शंकरलाल शर्मा
निवाई	प्रशांत बैरवा	रामसहाय वर्मा
टोंक	सचिन पायलट	अजीत सिंह मेहता
लाडनूं	मुकेश भाकर	करणी सिंह
डीडवाना	चेतन डूडी	जितेंद्र सिंह जोधा
डेगाना	विजयपाल मिर्धा	अजयसिंह किलक
मारवाड़ जं.	खुशवीर सिंह जोजावर	केसाराम चौधरी
ओसियां	दिव्या मदेरणा	भेराराम चौधरी
भोपालगढ़	गीता बरवड़	कमसा मेघवाल
सरदारपुरा	अशोक गहलोत	महेंद्र सिंह राठौड़
जोधपुर	मनीषा पंवार	अतुल भंसाली
लूणी	महेंद्र विश्नोई	जोगाराम पटेल
जैसलमेर	रूपाराम धनदेव	छोटू सिंह भाटी
भीनमाल	समरजीत सिंह	पूरा राम चौधरी
रानीवाड़ा	रतन देवासी	नारायण सिंह देवल
वल्लभनगर	प्रीति शक्तावत	उदयलाल डांगी
बांसवाड़ा	अर्जुन बामनिया	धनसिंह रावत
कपासन	शंकरलाल बैरवा	अर्जुन लाल जीनगर
बेगूं	राजेंद्र सिंह बिधूड़ी	सुरेश धाकड़
भीम	सुदर्शन सिंह रावत	हरि सिंह चौहान
हिंडौली	अशोक चांदना	प्रभुलाल सैनी
केशोरायपाटन	सीएल प्रेमी बैरवा	चंद्रकांता मेघवाल
अंता	प्रमोद जैन भाया	कंवरलाल मीणा
बारां-अटरू	पानाचंद मेघवाल	सारिका चौधरी
तारानगर	नरेन्द्र बुड़ानिया	राजेन्द्र राठौड़
रतनगढ़	पूसाराम गोदारा	अभिनेष महर्षि
सुरजगढ़	श्रवण कुमार	संतोष अहलावत
बगरू	गंगा देवी	कैलाश वर्मा
बांदीकुई	गजराज खटाना	भागचंद डाकरा
धौलपुर	शोभारानी कुशवाहा	शिवचरण कुशवाहा
सपोटरा	रमेश चंद मीणा	हंसराज मीणा
देवली-उनियारा	हरीश मीणा	विजय बैंसला
रेवदर	मोतीराम कोली	जगसीराम कोली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने की समीक्षा

चेक पॉइन्ट्स पर कार्रवाई के निर्देश

बेधड़क | जयपुर

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग ने गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों और प्रमुख सचिव (गृह) की बैठक आयोजित कर विधानसभा आम चुनाव में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक में निर्वाचन आयुक्त अनूपचंद्र पाण्डे और अरुण गोयल और विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के अतिरिक्त उनके पड़ोसी राज्यों के आबकारी, राज्य जीएसटी, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा, आयकर, केन्द्रीय जीएसटी, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, बीएसएफ और केन्द्रीय पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए पड़ोसी राज्यों को भी संवेदनशीलता और सतर्कता बरतनी होगी।

वहीं मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर पड़ोसी राज्यों के साथ अब तक दो बार बैठक की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गत विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार सीजर की कार्रवाई काफी प्रभावी रही है, जिसके फलस्वरूप जब्ती में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए प्रदेशभर में पुलिस निषेधात्मक कार्रवाई कर रही है। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर, कानून व्यवस्था की स्थिति का आकलन कर जिलेवार केन्द्रीय पुलिस बलों की 100 कंपनी तैनाती का आवंटन कर दिया गया है।

बसपा के 47 उम्मीदवार घोषित

राजे के सामने मंसूरी को मैदान में उतारा

बेधड़क | जयपुर

बहुजन समाज पार्टी ने गुरुवार शाम प्रदेश की 47 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया। इससे पहले पार्टी 27 अक्टूबर को 20 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। अब तक बीएसपी के 67 उम्मीदवारों के नाम सामने आ चुके हैं।

गुरुवार को पार्टी ने जो लिस्ट जारी की है उसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के खिलाफ झालरापाटन से मकसूद मंसूरी को मैदान में उतारा गया है। वहीं पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के खिलाफ टोंक से अशोक कुमार

को टिकट दिया गया है।

इनके अलावा बाड़ी से जसवंत गुर्जर, किशनगढ़ वास से सिमरत कौर, मंडावा से सद्दीक खान, माधोपुर से मंगलचंद यादव, बगरू से भवानी शंकर, सलूम्बर से कन्हैयालाल, उदयपुर शहर से राजकुमार यादव, निम्बाहेड़ा से राधेश्याम मेघवाल, बड़ी सादड़ी से भवानीलाल, बेगूं से ओंकार सिंह, कपासन से बालू नायक, चित्तौड़गढ़ से रामेश्वर बैरवा, राजसमंद से विनोद सोनवाल, धरियावाद से कन्यालाला मीणा, डूंगरपुर से जीवनलाल, सागवाड़ा से दलजी मीण, बागीदौरा से प्रवीण, बांसवाड़ा से प्रकाश चरकोटा, डग से डालूराम, झालरापाटन से मकसूद मंसूरी, खानपुर से संजू, मनोहर धाना से चंद्रसिंह, सांगोद से आचार्य धनराज शर्मा, लाडपुरा से हरीश कुमार को टिकट दिया है। वहीं किशनगंज से रामदयाल मीणा, हिंडोली से सत्यनारायण, देवली उनियारा से ओमप्रकाश, टोंक से अशोक कुमार, सादुलशहर से राजेंद्र कुमार मेहरा, वैर से चिरमोली राम, अनूपगढ़ से किशनलाल, सिवाना से दीपाराम, बाड़मेर से हरखाराम, सिरोही से सुरेश कुमार, आबू पिंडवाड़ा से सुरेंद्र कुमार, रेवदर से बीनाराम मेघवाल, सोजत से सूरजमल, पिलानी से धर्मपाल जिलोवा, चोहटन से भारथा राम, जैसलमेर से मुरानदान चारण, गंगापुर से परमानंद सैन, बीकानेर पूर्व से मनोज श्रीदेव, खाजूवाला से मायावती और लूणकरणसर से खेताराम को उम्मीदवार बनाया गया है।

दलबदल की राजनीति तेज

अनादि सरस्वती कांग्रेस में, रामनिवास मीना भाजपा में शामिल हुए

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के दल बदलने का सिलसिला जारी है।

अजमेर से भाजपा नेता साध्वी अनादि सरस्वती ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली। इस दौरान सीएम अशोक गहलोत और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा मौजूद रहे। इस दौरान साध्वी ने भाजपा पर अजमेर का विकास नहीं करने का आरोप लगाया है। वहीं नई दिल्ली में प्रदेश में पानी वाले बाबा के नाम से विख्यात रामनिवास मीना ने भाजपा की

सदस्यता ग्रहण की। रामनिवास मीना ईआरसीपी के लिए कई सालों से मांग कर रहे थे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह के आवास पर भाजपा जॉइन की है।

योजनाओं के दम पर रिपीट होगी कांग्रेस

पीसीसी में गुरुवार को राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष नीटा डिसूजा ने सरकार की योजनाओं के दम पर सरकार बनाने की बात करते हुए भाजपा पर हमला बोला। नीटा डिसूजा ने कहा कि 2014 में भाजपा की महिला नेताओं ने मंहगाई के मुद्दे पर खाली सिलेंडर लेकर मंहगाई की मार के नारे लगाए थे, लेकिन मंहगाई कम नहीं हुई। इसीलिए 2018 में राजस्थान की महिलाओं ने अपने अमूल्य वोट से भाजपा को बाहर बिठा दिया। गहलोत सरकार ने मंहगाई से राहत देते हुए 76 लाख परिवारों को 500 रुपए में सिलेंडर दिया।

अगले 5 साल में भी राहत मिलेगी

नीटा डिसूजा ने कहा कि आगामी घोषणा पत्र में सरकार दो रुपए किलो गोबर खरीदेगी। गृहलक्ष्मी योजना में महिलाओं को 10 हजार रुपए मिलेंगे तो महिलाओं को सम्मान मिलेगा। नरेगा में 125 दिन रोजगार की गारंटी दी है। कांग्रेस ने 5 साल में कई पीड़ाओं से मुक्त किया है। अगले 5 साल में भी राहत मिलेगी। महिलाओं को कानूनी सुरक्षा देने के लिए राजस्थान सरकार को बधाई देती हूं। अनिवार्य एफआईआर ने राह आसान बनाई। भाजपा शासित राज्यों में मामले दबाए जाते हैं।

कांग्रेस महिलाओं को ज्यादा टिकट देगी

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि इसे लागू नहीं कर पाने के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है। राजस्थान में महिलाओं को टिकट के मामले पर कहा कि सबसे पहले जिताऊ प्रत्याशी देखते हुए टिकट दिए जाते हैं। आगामी सूचियों में और महिलाओं को टिकट मिलेंगे। सरकार बनने के बाद हमारा मकसद महिलाओं को अधिक से अधिक अधिकार दिलाना है।

जरूरी खबर

पॉलीथिन का उपयोग करने पर वसूले 20600

जयपुर। निगम हेरिटेज की स्वास्थ्य शाखा ने गुरुवार को आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत के निर्देश पर और उपायुक्त स्वास्थ्य नूर मोहम्मद के निर्देशन में पॉलीथिन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। निगम आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि स्वास्थ्य दस्ते ने गुरुवार को शहर में कार्रवाई करते हुए व्यापारियों से 20,600 रुपए कैरिंग चार्ज वसूल किया और मौके पर व्यापारियों से 20 किलो 100 ग्राम पॉलीथिन जब्ती की भी कार्रवाई की। आयुक्त शेखावत ने बताया कि पॉलीथिन से पर्यावरण तो प्रदूषित होता ही है, साथ ही इससे हमारे स्वास्थ्य को भी कई प्रकार की हानि होती है। इसलिए इसका उपयोग करने से बचें और जितना हो सके कपड़े व जूट के थैलों का उपयोग करें।

जेडीए ने सड़क सीमा से अतिक्रमण हटाया

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन सात इलाके में सुओमोटो के तहत सिरसी रोड, सेक्टर रोड, खातीपुरा तिराहा और गौतम मार्ग पर करीब दो किमी रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त कराया। इसके साथ ही पीआरएन-नॉर्थ में अमृत नगर पांच्यावाला में आम रास्ते-रोड सीमा से अतिक्रमण हटवा दिया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सुओमोटो के तहत जोन सात के पीआरएन (नोर्थ) के सिरसी रोड, सेक्टर रोड 200 फीट पुलिया से पहले खातीपुरा तिराहा गौतम मार्ग तक करीब दो किमी तक रोड सीमा पर ही दोनो तरफ भूखण्डधारियों द्वारा करीब 50 स्थानों पर कब्जा-अतिक्रमण कर लिया गया था।

रेलवे के ट्रैफिक ब्लॉक से 20 ट्रेनों के संचालन पर पड़ेगा असर

अगले तीन दिन जरा संभलकर, ट्रेनें करेंगी जीवन प्रभावित

बेधड़क | जयपुर

रेलवे की ओर से अगले तीन दिन तक उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न रेलखंडों पर ब्लॉक लिया जा रहा है। इससे रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इन रेलखंडों पर कई ट्रेनें आंशिक रद्द, रेगुलेट, रीशेड्यूल रहेगी। वहीं, रेलवे के त्योहारी सीजन में लिए इस फैसले से रेलयात्रियों को यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

इन्हें ट्रेन से उतरकर गंतव्य तक जाने के लिए दूसरे साधनों का उपयोग करना पड़ेगा। लोगों का कहना है कि रेलवे को इस समय ट्रैफिक ब्लॉक कार्य को टालना चाहिए। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशिकरण ने बताया कि जयपुर मंडल के फुलेरा-मदार रेलखंड के मध्य स्थित लाडपुरा-किशनगढ़ स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनल प्रणाली कार्य को लेकर ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। वहीं, अजमेर मंडल के मदार-पालनपुर रेलखंड के मध्य स्थित सराधना-मंगलियावास स्टेशन के मध्य ब्रिज संख्या 383 पर आरसीसी बॉक्स डालने हेतु ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। इससे अगले 4,5,6 नवंबर को रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

रेगुलेट रेल सेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से)

गाड़ी संख्या 07116, जयपुर-हैदराबाद रेलसेवा 05.11.23 को जयपुर-मदार के मध्य 01 घंटे रेगुलेट रहेगी। गाडी संख्या 19617, मदार-रेवाड़ी एक्सप्रेस रेलसेवा 05.11.23 को मदार से अपने निर्धारित समय से 01 घंटे देरी से प्रस्थान करेगी।

इनका मार्ग बदला

1. गाड़ी संख्या 15013, जैसलमेर-काठगोदाम रेलसेवा 06.11.23 को जैसलमेर से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग वाया जोधपुर-मेडता रोड-फुलेरा होकर संचालित होगी।
2. गाडी संख्या 15014, काठ गोदाम-जैसलमेर रेलसेवा 05.11.23 काठगोदाम से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-मेड़ता रोड-जोधपुर होकर संचालित होंगी।

जयपुर-अजमेर के बीच ये ट्रेनें रहेगी आंशिक रद्द

- गाड़ी संख्या 12414, जम्मूतवी-अजमेर रेलसेवा 04.11.23 जम्मू तवी से जयपुर तक संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 12413, अजमेर-जम्मूतवी रेलसेवा 05.11.23 अजमेर के स्थान पर जयपुर स्टेशन से ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 12015, नई दिल्ली-अजमेर रेलसेवा 05.11.23 नई दिल्ली-जयपुर तक ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 12016, अजमेर-नई दिल्ली रेलसेवा 05.11.23 अजमेर के स्थान पर जयपुर से ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 12991, उदयपुर-जयपुर रेलसेवा 05.11.23 उदयपुर से अजमेर तक ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 12992, जयपुर-उदयपुर रेलसेवा 05.11.23 जयपुर के स्थान पर अजमेर से ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 19618, रेवाड़ी-मदार रेलसेवा दिनांक 05.11.23 रेवाड़ी से फुलेरा तक ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 12195, आगराफोर्ट-अजमेर रेलसेवा 05.11.23 को आगराफोर्ट से खातीपुरा तक ही संचालित होगी, यह रेलसेवा खातीपुरा-अजमेर के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- गाड़ी संख्या 12196, अजमेर-आगराफोर्ट रेलसेवा 05.11.23 अजमेर के स्थान पर खातीपुरा से संचालित होगी। यह रेलसेवा अजमेर-खातीपुरा के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- गाड़ी संख्या 20979, उदयपुर-जयपुर रेलसेवा 05.11.23 उदयपुर अजमेर तक ही संचालित होगी।
- गाड़ी संख्या 20980, जयपुर-उदयपुर रेलसेवा 05.11.23 जयपुर के स्थान पर अजमेर तक ही संचालित होगी।

आमेर से सतीश पूनियां और मालवीय नगर से अर्चना शर्मा ने भरा पर्चा

नामांकन में लंबी रैली और वाहनों के काफिले से दिखाया दमखम

- सबसे ज्यादा नामांकन सांगानेर से- शाहपुरा, हवामहल, चौमूं, सिविल लाइंस और चाकसू में अभी श्रीगणेश नहीं
- चौथे दिन जयपुर जिले में 17 उम्मीदवारों ने भरे 25 नामांकन

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव-2023 के लिए नामांकन के चौथे दिन जिले की 10 विधानसभा क्षेत्रों में 17 उम्मीदवारों ने 25 नामांकन भरा। इस दौरान लम्बी रैली और वाहनों के काफिले से आए उम्मीदवारों ने नामांकन में ही शक्ति प्रदर्शन कर अपना दमखम दिखा दिया। जिंदाबाद के नारों के बीच प्रत्याशियों ने नामांकन भर चुनावी मैदान आगे की लड़ाई लड़ने का ऐलान कर दिया।

गुरुवार को आमेर से भाजपा के प्रत्याशी सतीश पूनियां, दूदू से कांग्रेस के बाबूलाल नागर, मालवीस नगर से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा ने नामांकन पत्र भरा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि चार दिन में जिले के 14 विधानसभा क्षेत्रों में 28 प्रत्याशियों ने 39 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इनमें से सांगानेर विधानसभा में सर्वाधिक 6 प्रत्याशियों ने 7 नामांकन पत्र जमा करवाए हैं, वहीं शाहपुरा, चौमूं, हवामहल, सिविल लाइन्स और चाकसू विधानसभा क्षेत्र में अभी तक एक भी नामांकन नहीं हुआ है। गुरुवार को कोटपूतली से निर्दलीय मुकेश गोयल, हंसराज ने बतौर बीजेपी प्रत्याशी और निर्दलीय प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया। वहीं, विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी टीना यादव, भीमसहन गुर्जर, दूदू विधानसभा क्षेत्र से अखिल भारतीय कांग्रेस प्रत्याशी बाबूलाल नागर, आमेर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सतीश पूनिया, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से सुमन मीणा ने बतौर अखिल भारतीय कांग्रेस प्रत्याशी और निर्दलीय प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र जमा करवाया।

फोटो: पंकज शर्मा

इन्होंने भी दाखिल किए पर्चे

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी मनोहर लाल, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद नदीम, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से अखिल भारतीय कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा और सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी निशांत माथुर, हरी नारायण मीणा, राजस्थान लोकतांत्रिक पार्टी प्रत्याशी महेशचंद सैनी और राइट टू रिकॉल पार्टी से शशांक ने नामांकन पत्र जमा कराया। उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी मालीराम नायक, मोहनलाल और लक्ष्मण मीणा ने बतौर अखिल भारतीय कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी दो नामांकन पत्र जमा करवाए। प्रदेश में गुरुवार को नामांकन के चौथे दिन राज्य में 105 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 151 उम्मीदवारों ने 195 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके साथ ही अब तक प्रदेश में 241 उम्मीदवार 301 नामांकन पत्र भर चुके हैं।

तीन बार प्रसारित करवानी होगी अपराध की जानकारी

उन्होंने बताया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 32 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे हैं। आपराधिक रिकॉर्ड वाले इन उम्मीदवारों को सी-1 फॉर्म भर कर अपराध की जानकारी समाचार पत्र और टीवी चैनल्स के माध्यम से तीन बार प्रकाशित-प्रसारित कर सार्वजनिक करनी होगी।

अनदेखी का शिकार स्टैच्यू सर्किल

बेधडक.जयपुर। यह स्टैच्यू सर्किल है। जेडीए की अनदेखी और देखभाल के अभाव में जय सिंह की प्रतिमा के चारों तरफ में लगे कलात्मक पथरों के बीच जगह-जगह पीपल के पेड़ उग आए हैं। आज जयपुर का स्थापना दिवस है और स्टैच्यू सर्किल पर सामान्य रोशनी भी नहीं है, जबकि हमेशा स्पेशल लाइटों से सजावट की जाती है। जयपुर के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर ऐसा लग रहा है जैसे यह सर्किल अपनी अनदेखी पर आंसू बहा रहा है। ***-फोटो: राजेश कुमावत***

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

प्याज के बाद चना दाल के भी लगे काउंटर

नेफेड दे रही 60 रु. किलो दाल

बेधड़क| जयपुर

राजधानी में प्याज और दालों पर बढ़ रही मंहगाई से राहत दिलाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ ने सस्ते प्याज और सस्ती दाल उपलब्ध करवाने के लिए काउंटर शुरू किए हैं। शहर में 15 जगहों पर ये काउंटर लगाए गए हैं। नेफेड के स्टेट हेड महेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि शहर में 15 जगहों पर मोबाइल वैन काउंटर लगाकर सस्ता प्याज और दाल बेची जा रही है। प्याज 25 रुपए प्रति किलोग्राम और चना दाल 60 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बेची जा रही है। शहर में कांवटिया सर्किल, मुहाना मंडी सचिव कार्यालय, सचिवालय गेट, नेहरू सहकार भवन, झोटवाड़ा सर्किल, अंबा बाड़ी सर्किल, कृषि अनुसंधान केंद्र गेट दुर्गापुरा, गोपालपुरा मोड़, गुर्जर की थड़ी, रावणगेट, चांदपोल, आम्रपाली सर्कल, आरटीओ झालाना डूंगरी, दादी का फाटक और मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास ये काउंटर लगाए जा रहे हैं। ये काउंटर रोजाना इन्हीं जगहों पर लगाए जाएंगे।

गणपति प्लाजा के निजी लॉकर्स में सर्वे कार्रवाई जारी

लॉकरधारक अधिवक्ता को HC से राहत नहीं

बेधड़क | जयपुर

गणपति प्लाजा के निजी वॉल्ट के लॉकर्स में छिपे धन को लेकर 20 दिन पूर्व शुक्रवार 14 अक्टूबर को शुरू हुई आयकर सर्वे की कार्रवाई गुरुवार को भी जारी रही। इस मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले लॉकर धारक अधिवक्ता को भी कोई राहत नहीं मिल सकी। अजमेर के अधिवक्ता सुनील कुमार सिंह ने गणपति प्लाजा स्थित निजी लॉकर संचालक, रोयरा सेफ्टी वॉल्ट के लॉकर्स पर की जा रही आयकर विभाग की कार्रवाई को अनुचित और अकारण बताते हुए इस पर स्थगन आदेश और आगे कार्रवाई नहीं किए जाने के निर्देश देने की याचिका दायर की थी। गुरुवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता सिंह स्वास्थ्य कारणों से न्यायालय में पेश नहीं हो सके, जबकि आयकर विभाग की ओर से प्रधान आयकर निदेशक अन्वेषण सुधांशु शेखर झा, अतिरिक्त आयकर निदेशक अन्वेषण डॉ. संग्राम रमेश जगदाले, सहायक आयकर निदेशक अन्वेषण अशोक चारण और योगेश मीनाद पूरी तैयारी के साथ उच्च न्यायालय में मौजूद थे। याचिका कर्ता की ओर से पेश हुए अन्य अधिवक्ता ने उच्च न्यायालय से समय दिए जाने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने तीन सप्ताह बाद की तारीख दे दी।

चूंकि उच्च न्यायालय ने आयकर सर्वे कार्रवाई को लेकर आयकर विभाग को कोई स्थगन निर्देश नहीं दिए हैं, अतः यह माना जा रहा है कि विभाग इस मामले में आयकर कानून के अनुसार आगे कार्रवाई करने को स्वतंत्र है। उधर, गुरुवार को आयकर अधिकारियों ने 10 और लॉकर्स को खोला, लेकिन इसमें किसी भी लॉकर में ऐसी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली, जिसे जब्त किया जा सके।

दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बैठक

सावधान! शहर में बढ़ रहे ब्लैक स्पॉट, तीन साल में 95 लोगों ने गंवाई जान

बेधड़क | जयपुर

शहर की सड़कों पर बढ़ रहे ब्लैक स्पॉट अब जानलेवा भी साबित हो रहे है। इसे लेकर शहर की पुलिस भी चिंतित हो रही है। हाल में एक रिपोर्ट में पुलिस ने राजधानी में 20 ऐसे ब्लैक स्पॉट को चिन्हित किया है। जहां सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटना हो रही हैं।

ऐसे में अब पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसफ के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुगम पथ अभियान चलाएगी। गुरुवार को दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण कर दुर्घटनाओं को कम करने और सुगम पथ अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन राहुल प्रकाश ने ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण के लिए यातायात पुलिस के चारों क्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं के कारणों पर चर्चा कर समीक्षा की।

ये उठाए जाएंगे महत्वपूर्ण कदम

- सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे।
- जयपुर शहर में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु अधिक दुर्घटना संभावित स्थान और यातायात नियमों के उल्लंघनकर्ता वाहन के खिलाफ आईटीएमएस के तहत मल्टीपल वॉयलेशन डिटेक्शन कैमरे स्थापित करवाए जाएंगे।
- दुर्घटना में घायल होने वाले को प्राथमिक चिकित्सा संसाधन मुहैया करवाए जाकर मृतकों की संख्या में कमी लाएंगे।

दुर्घटना रोकने के लिए दिए निर्देश

इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश ने बताया कि ब्लैक स्पॉट्स पर दुर्घटना रोकने के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं, जिनमें सभी ब्लैक स्पॉट्स के पास आवश्यक चेतावनी बोर्ड, स्पीड ब्रेकर बनवाने, रोड मार्किंग, टूटी सडकों की मरम्मत आदि कार्य है। इसके अलावा कुछ चौराहों और सर्किल की चौड़ाई कम करने, अनावश्यक कट बंद करने एवं रोड मीडियन की ऊंचाई बढ़ाने, यातायात के दबाव को कम करने के लिए एलिवेटेड रोड का निर्माण, जिन मार्गों की चौड़ाई अधिक है और जहां बोटलनेक रोड बनती है, उस मार्ग पर आवश्यक सुधार कार्य कराने के लिए संबंधित विभाग को पत्र लिखने के निर्देश दिए। साथ ही नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि साल 2023 में अब तक रांग साइड के 1164 और नो एन्ट्री में आने वाले 798 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

ये हैं शहर के ब्लैक स्पॉट

धोबीघाट, पाडा मंडी, ईदगाह से पुलिया नं. 2, नाहरगढ़ पहाड़ी, 200 फीट चौराहा, कमला नेहरू नगर से होटल हाईवे किंग, एलिवेटेड रोड सोडाला, द्वारकादास पार्क चौराहा, गर्वमेंट हॉस्टल चौराहा, रिद्ध-सिद्धी चौराहा, मिलन सिनेमा से बढारणा पुलिया तक एक्सप्रेस हाई-वे, भवानी निकेतन से डेहर का बालाजी तक, खेतान चौराहा, रोड़ नम्बर 14, पानीपेच से शनि मंदिर तक, चौमूं पुलिया से लता सर्किल, गांधीपथ पुलिया से सैल्बी अस्पताल तक। इसी प्रकार एक्सप्रेस हाई-वे, भैरूजी मोड़ बैनाड़ रोड़, बी-2 बाईपास चौराहा, ओटीएस चौराहा, टोंक पुलिया व उसके पास के क्षेत्र को शहर के प्रमुख ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है।

दक्षिण में सबसे ज्यादा मौतें

वहीं, पिछले तीन साल में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा 33 मौतें दक्षिण इलाके में हुई है। इसके बाद पश्चिम में 30 मौतें, उत्तर 25 और पूर्व में 15 मौतें हुई है। ऐसे में पिछले तीन साल में कुल 95 मौतें हुई हैं, जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं।

जरूरी खबर

19 घंटे बंद रहेंगे खाटू श्याम मंदिर के कपाट

सीकर। खाटूश्याम मंदिर में दीपावली की साफ-सफाई के चलते 7 नवंबर रात 10 बजे से आठ नवंबर शाम 5:30 बजे तक बंद रहेगा। श्री श्याम मंदिर कमेटी ने इसकी सूचना जारी कर दी है। श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री श्याम सिंह ने बताया कि दीपावली पर्व की विशेष सफाई व्यवस्थाओं को लेकर यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान श्रद्धालु श्याम बाबा के दर्शन नहीं कर सकेंगे। मंदिर कमेटी के मंत्री ने बताया कि 14 नवंबर को खाटू श्याम मंदिर में अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा पर्व मनाया जाएगा।

मंदिर में राजनीतिक गतिविधियों पर लगाई रोक

दौसा। मंडावर कस्बा स्थित निर्गुण महाराज मंदिर पर राजनीतिक गतिविधियों की शिकायत मिली थी। इस पर रिटर्निंग अधिकारी लाखन सिंह गुर्जर ने मंदिर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगाते हुए उपखंड अधिकारी के माध्यम से मंदिर के पुजारी को नोटिस देकर मंदिर परिसर में इन गतिविधियों के पाए जाने पर कार्रवाई करने के आदेश दिए। रिटर्निंग अधिकारी महवा लाखन सिंह गुर्जर ने मंदिर पुजारी को नोटिस भेज कर मंदिर में राजनीतिक गतिविधियों पर पूर्ण पाबंदी लगा दी है।

ठगी का इनामी आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

करौली। बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में 4 साल से फरार चल रहे ठग अजय उर्फ अजय राज मीना (30) निवासी काचरोदा थाना सपोटरा हाल थाना मामचारी को थाना पुलिस की टीम में हरियाणा के फरीदाबाद इलाके से गिरफ्तार कर लिया। एसपी ममता गुप्ता ने बताया 3 जून 2019 को आरोपी के विरुद्ध सपोटरा के डाबरा गांव निवासी भीम सिंह मीणा ने रिपोर्ट दी थी। इसमें उसके भाई को रेलवे में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 21 लाख रुपए हड़पने की शिकायत दी थी।

वागड़ के हरिद्वार नाम से प्रसिद्ध गौतमेश्वर महादेव मंदिर में एक वर्ष में बनते हैं 250 से 300 सर्टिफिकेट

इस कुंड में डुबकी लगाने पर मिलता है 'पाप मुक्ति' प्रमाणपत्र

बेधड़क | प्रतापगढ़

अक्सर तीर्थ स्थलों पर जाकर लोग पाप कर्मों से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इसके लिए तीर्थ के पवित्र जल में स्नान कर श्रद्धालु भगवान से इसके लिए प्रार्थना करते हैं। वहीं दक्षिणी राजस्थान में मंदिर ऐसा भी है जहां मंदिर के कुंड में डुबकी लगाने के बाद 'पाप मुक्ति' प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

यहां आधिकारिक तौर पर पुष्टि करता है कि इसके 'कुंड' में डुबकी लगाने से किसी भी पाप से व्यक्ति को मुक्ति मिल जाएगी। इसके लिए 12 रुपए में 'पाप मुक्ति' प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। वागड़ के हरिद्वार के नाम से प्रसिद्ध गौतमेश्वर महादेव का यह मंदिर राजधानी जयपुर से लगभग 450 किमी दूर प्रतापगढ़ जिले में है। प्रमाणपत्र मंदिर ट्रस्ट की ओर से जारी किया जाता है। यह मंदिर राज्य सरकार के देवस्थान विभाग के अधीन है।

हालांकि प्रमाणपत्र चाहने वालों की संख्या सीमित है और मंदिर के 'मंदाकिनी कुंड' में डुबकी लगाने के लिए एक वर्ष में लगभग 250-300 प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। यह प्रथा कब शुरू हुई इसका विवरण उपलब्ध नहीं है, लेकिन

ऐसा कहा जाता है कि जिन लोगों ने जानबूझकर या अनजाने में किसी जानवर को मारने का 'पाप' किया है, उनकी जाति या समुदाय द्वारा उनका बहिष्कार किया गया है, तो वे कुंड में डुबकी लगाने के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहते हैं। प्रमाणपत्र तब सबूत के रूप में काम आते हैं कि उनके सिर पर कोई 'पाप' नहीं है, इसलिए बहिष्कार रद्द किया जाना चाहिए।

महर्षि गौतम हुए थे गो हत्या पाप से मुक्त

सरपंच मीणा ने बताया कि ऐसा माना जाता है कि महर्षि गौतम यहां स्नान करने के बाद गाय की हत्या के पाप से मुक्त हो गए थे। उसी परंपरा का यहां पालन किया जा रहा है और यह दृढ़ विश्वास है कि जो लोग इस 'कुंड' में डुबकी लगाते हैं, वे अपने पापों से मुक्त हो जाते हैं।' मंदिर के पुजारी विकास शर्मा ने बताया कि हर महीने हजारों लोग मंदिर में आते हैं, खासकर सावन के महीने और सोमवार को। वहीं एक अन्य पुजारी घनश्याम शर्मा ने कहा कि आदिवासी लोग अपने परिवार के सदस्यों के अंतिम संस्कार के बाद राख को 'कुंड' में विसर्जित करते हैं और इसलिए इसे 'वागड़ का हरिद्वार' कहा जाता है। शर्मा ने बताया कि एक साल में प्रमाण पत्र लेने वालों की संख्या करीब 300 होती है। रिकॉर्ड अच्छी तरह से बनाए रखा गया है।

प्रमाण-पत्र में लिखा जाता है ये संदेश

मंदिर से जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्र में लिखा जाता है, 'गांवों के 'पंचों' (पंचायत के सदस्यों) को पता होना चाहिए कि इस व्यक्ति ने श्रीगौतमेश्वर जी के 'मंदाकिनी पाप मोचिनी गंगा कुंड' में स्नान किया था, जिसे इसलिए बनाया गया था ताकि लोगों के पाप का प्रायश्चित हो सकें। इसलिए यह प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया गया है। कृपया उसे जाति समाज में वापस स्वीकार करें।' सरपंच उदय लाल मीणा ने कहा कि कुंड के पास एक कार्यालय में बैठने वाले 'अमीन' के हस्ताक्षर और मुहर के साथ 12 रुपए में एक प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

भाजपा ने कसा तंज... आखिर दिल की बात जुबां पर आ ही गई

फिसली नागर की जुबान, बोले- राहुल गांधी, सोनिया मुर्दाबाद

बेधड़क | दूदू

प्रदेश में विधानसभा चुनाव का माहौल अब गरमाने लगा है। राजनीतिक कार्यक्रमों में नेता इतनी हड़बड़ी में हैं कि उन्हें क्या बोलना है इस पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। गुरुवार को ऐसा ही एक मामला दूदू विधानसभा क्षेत्र में सामने आया। यहां कांग्रेस के टिकट से चुनाव लड़ रहे विधायक बाबूलाल नागर की नामांकन सभा में उनकी जुबान इतनी फिसली की मंच से राहुल गांधी-सोनिया गांधी मुर्दाबाद बोल बैठे। नेताजी को पता ही नहीं चल पाया कि उन्होंने मंच से क्या बोल दिया है। इसका एक वीडियो भी वायरल हो गया।

इसके बाद भाजपा से भाजपा भी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। दरअसल गुरुवार को विधायक बाबूलाल नागर के नामांकर से पहले मौजमाबाद रोड स्थित श्रीराम रिसॉर्ट में सभा हुई।

इसमें सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी शामिल हुए। इसमें बाबूलाल नागर ने मंच पर जल्दबाजी में कहा कि जनसभा में कांग्रेस-अशोक गहलोत जिंदाबाद बोलना है, जबकि सोनिया गांधी-राहुल गांधी मुर्दाबाद बाद में बोलना है। यह सुनकर वहां मौजूद नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता गफलत में पड़ गए। मंच से हड़बड़ी में हुई इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

नागर के बयान को लेकर भाजपा ने घेरा

बाबूलाल नागर की जुबान फिसलने को लेकर भाजपा भी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। राष्ट्रीय प्रवक्ता शहनावाज पूनावाला ने नामांकन सभा के वायरल वीडियो को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर कांग्रेस का सच जुबान पर आ ही गया। यह जुबान फिसलने का नहीं, बल्कि सच जुबान पर आने का किस्सा है। इस के साथ कांग्रेस में टिकट बंटबारें को लेकर भी शहनावाज ने निशाना साधा।

25 लाख का बीमा दुनिया में कहीं नहीं: CM

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले लेट आने के लिए लोगों से माफी मांगी। इसके बाद दूदू के जिला बनने पर बधाई दी। इस दौरान भीड़ में किसी व्यक्ति के बोलने पर गहलोत गुस्सा हो गए। उन्होंने कहा- चुनाव जीतने आए हो या डिस्टर्ब करने। गहलोत ने कहा- मैंने काम करने में कोई कमी नहीं रखी। कोरोना में ऑक्सीजन की कमी से किसी को मरने नहीं दिया। 25 लाख का बीमा हिंदुस्तान क्या पूरी दुनिया में कहीं नहीं है। सारा इलाज फ्री हो रहा है। मुझे हार्ट की परेशानी थी, मेरे स्टंट डला। दो लाख का खर्च हो सकता था। मैंने वही कार्ड बनाया है, जो कर्मचारी का बना हुआ है।

न मर्यादा, ना संस्कार: राठौड़

वहीं इस मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल वीडियो को शेयर करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। राठौड़ ने लिखा- न मर्यादा, ना संस्कार, खुले मंच पर दिख रही है कांग्रेस में रार। दूदू में नामांकन सभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोतजी की मौजूदगी में कांग्रेस प्रत्याशी बाबूलाल नागर सोनिया गांधी-राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं की आलाकमान के प्रति सोच जगजाहिर है।

पायलट के नारे लगाने पर रोका

नामांकन सभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पहुंचने से पहले सभा में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के नारे लगाए जा रहे थे। इस पर नागर ने लोगों से कहा कि जब पायलट मीटिंग में भाषण देने आएं, तब उनके नारे लगा देना, ये चुनाव अलग तरह का है।

वृद्ध महिला की हत्या का खुलासा

मकान-खेत बेचने से किया मना तो बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

बेधड़क | बारां

थाना शाहाबाद इलाके के खाण्डा सहरोल गांव में 4 दिन पहले हुई एक वृद्ध महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर आरोपी बेटे हीरा लाल जाटव (44) को गिरफ्तार किया है। मकान व खेत बेचने से इंकार करने पर आरोपी बेटे ने कुल्हाड़ी के वार से मां की निर्मम हत्या कर दी।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि 27 अक्टूबर को थाना शाहाबाद इलाके के खाण्डा सहरोल गांव में वृद्ध महिला भबूति बाई की लाश घर मे पड़ी होने की सूचना पर एसएचओ किरदार अहमद टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

बेटे केशरी लाल जाटव द्वारा अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर जांच शुरू करते हुए मौके पर एफएसएल, डॉग

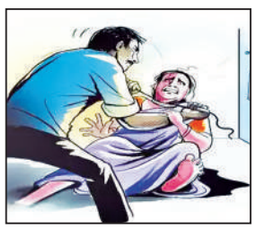

स्क्वायड व साइबर टीमों को भी बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी चौधरी की ओर से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया।

टीम ने तकनीकी व मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं व साइबर एक्सपर्ट के विश्लेषण के आधार पर संदिग्ध हीरा लाल जाटव को डिटेन कर पूछताछ की तो उसने हत्या करना कबूल कर लिया।

कर्ज के चलते बेचना चाहता था जायदाद

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी हीरालाल के ऊपर कर्ज होने के कारण उसने अपनी मां से मकान व खेत बेचने को कहा। जब मां ने प्रॉपर्टी बेचने से मना कर दिया तो उसने कुल्हाड़ी से वार कर बेरहमी से मां भबूति बाई की हत्या कर दी। आरोपी से हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए पूछताछ की जा रही है। एसपी ने घटना का खुलासा करने वाली टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

कटकड क्षेत्र के गांवों में घर-घर जाकर साधा संपर्क

आतिशबाजी और जोशीले नारों के बीच बसपा प्रत्याशी मीना का किया स्वागत

बेधड़क | करौली

बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी एडवोकेट रविन्द्र मीना ने गुरुवार को कटकड क्षेत्र के गांवों का दौरा किया। इस दौरान आतिशबाजी और जोशीले नारों के बीच ग्रामीणों ने उनकी अगवानी की। इसी बीच ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। बडी संख्या में पंच-पटेल और ग्रामीण उपस्थित रहे।

बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जमुना लाल जाटव ने बताया कि बसपा प्रत्याशी रविन्द्र मीना अपने काफिले के साथ कटकड गांव पहुंचे, जहां ग्रामीणों

ने उनका स्वागत कर समर्थन का ऐलान किया। कटकड की ढाणी घाटियान का पुरा पहुंचने पर ग्रामीणों ने आतिशबाजी की।

इस दौरान बसपा प्रत्याशी मीना ने कहा कि वे आमजन के विकास को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ग और समाज को मजबूती देने का कार्य करेंगे। उनके साथ प्रदेश प्रभारी विजय बैरवा, प्रदेश महासचिव सतीश मीना, जिला प्रभारी दौलत सिंह, शिवसिंह जाटव सहित कई गांवों के पंच-पटेल भी उपस्थित रहे।

आज दाखिल करेंगे नामांकन

बसपा के प्रत्याशी रविन्द्र मीना शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगे। सुबह मदनमोहनजी मंदिर पहुंचकर दर्शन करेंगे। वहां से नामांकन रैली प्रारंभ होगी, जो पुरानी कलेक्ट्री के पास जैन नसियां परिसर पहुंचकर जनसभा में परिवर्तित हो जाएगी। इसमें प्रमुख लोगों का संबोधन होगा।

पदाधिकारी बोले- टिकट दिया तो करेंगे असहयोग

साध्वी अनादि सरस्वती की कांग्रेस में एंट्री के बाद उठे विरोध के स्वर

बेधड़क | अजमेर

भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में आईं साध्वी अनादि सरस्वती को लेकर पार्टी में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। पदाधिकारियों ने कहा है कि अगर साध्वी को टिकट दिया तो चुनाव में असहयोग करेंगे।

अजमेर उत्तर के पदाधिकारियों ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के बाहर बैठक कर साध्वी अनादि को पार्टी में शामिल करने पर नाराजगी जताई है। साध्वी अनादि सरस्वती के गुरुवार को जयपुर में कांग्रेस का हाथ थामते ही पार्टी के भीतर खलबली मच गई। अजमेर उत्तर से ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र

अग्रवाल ने कहा कि साध्वी अनादि सरस्वती को कांग्रेस जोईन करवाई है, लेकिन उन्हें अजमेर उत्तर का टिकट दिया जाता है तो कांग्रेस कार्यकर्त्ता उन्हें सहयोग नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर क्षेत्र में कांग्रेस के बड़े चेहरे भी हैं जो जीत सकते हैं। कांग्रेस के बड़े नेताओं को गुमराह किया गया है।

देहली गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन

अजमेर में दरगाह क्षेत्र देहली गेट के बाहर कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। अजमेर उत्तर से टिकट के दावेदार महेंद्र सिंह रलावता ने साध्वी अनादि के कांग्रेस में आने पर आपत्ति जताई है। कांग्रेस कार्यकर्ता पप्पू कुरेशी ने कहा कि साध्वी अनादि को टिकट मिलता है तो इससे अल्पसंख्यकों में नाराजगी बढ़ेगी। शहर कांग्रेस कमेटी ने निर्णय ले लिया है कि साध्वी अनादि सरस्वती को टिकट दिया जाता है तो कांग्रेस के कार्यकर्ता उन्हें सहयोग नहीं करेंगे।

दो बुजुर्ग महिलाओं की हत्या का राज फाश

रिश्तेदार महिला ने ही की थी हत्या, कुवैत भागने से पहले किया गिरफ्तार

बेधड़क | उदयपुर

अंबा माता थाना क्षेत्र की डायमंड कॉलोनी के नवरत्न कंपलेक्स में दिनदहाड़े दो बुजुर्ग महिला की हत्या कर जेवरात लूटने के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला मारिया बोहरा पत्नी मुस्तनसिर (32) निवासी सलूंबर हाल मातवाड़ी मेवाड़ हॉस्पिटल के पास थाना सुखेर को गिरफ्तार किया है।

शेयर बाजार में 30 लाख का घाटा हो जाने की भरपाई के लिए हत्या और लूट की वारदात को महिला ने अंजाम दिया था। एसपी भुवन भूषण यादव ने बताया कि दिनदहाड़े पॉश कॉलोनी में अकेली रह रही दो बहनों 75 वर्षीय हुसैना बाई और 80 वर्षीय साराभाई

बोहरा के डबल मर्डर की सूचना पर वे आईजी रैंज के साथ मौके पर पहुंचे।

घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश देते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने 5 किलोमीटर के दायरे में लगे सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

पूर्व में चालनशुदा अपराधियों, आस-पास के नौकरों, किरायेदारों, मजदूरों के परिवारों एवं मृतक दोनों बहनों के परिवार और रिश्तेदारों से गहनता से पूछताछ की। संदिग्ध महिला मारिया बोहरा से मनोवैज्ञानिक तरीके से की गई पूछताछ की गई तो उसने मामले का खुलासा किया।

शेयर मार्केट में घाटा रिकवर करने के लिए रची साजिश

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मारिया मृतका हुसैना बाई की बहन की बहू है। उसका पति कुवैत में रहता है। शेयर बाजार पैसा लगाने पर 30 लाख का घाटा हो गया तो पैसे रिकवर करने के लिए महिला ने बुजुर्ग रिश्तेदार को लूटने की ठान ली। लंबे समय से गहनों पर नजर बनाए बैठी आरोपी मारिया ने करीब 15-20 दिन पहले लौकी की सब्जी में नींद की दवाई मिला दोनों बहनों को बेहोश कर दिया था, लेकिन घर की मेड की बच्चियों के होने के कारण वारदात को अंजान नहीं दे पाई। घर की मेड रामकन्या सालवी को परिवार सहित नवरात्रि पर गांव जाना था। 23 अक्टूबर को उन्होंने मृतक बहनों से छुट्टी मांगी तो मौके का फायदा उठाकर मारिया ने पीछे से घर के सभी काम करने की जिम्मेदारी ले ली।

शातिर अपराधियों की तरह की वारदात

मारिया पहले बुजुर्ग महिलाओं के घर आती जाती रहती थी। 25 अक्टूबर को भी दोनों बुजुर्ग महिलाओं को फ्रूट्स दूध और अन्य सामान देकर गई थी। 26 अक्टूबर को मारिया बुर्के की जगह लोअर व टी-शर्ट पहने अपना मुंह ढक कर एक छोटी रॉड लेकर घर में गई। घर में टीवी देख रही हुसैना बाई का पीछे से मुंह दबाया। छीना झपटी में मुंह पर ढका कपड़ा हटाने पर मारिया ने साथ लाए लोहे की रॉड से सिर पर वार कर हत्या कर दी। शोर सुनकर बाहर आई सारा भाई के भी सिर में रॉड से वार कर हत्या की और वहां से फरार हो गई। दूसरे दिन पेट्रोल ले जाकर घर के नीचे फ्लोर में छिड़काव कर चटाई में आग लगा दी, जिससे घर में आग लगने की घटना को रूप दिया जा सके।

लूटे गए गहनों से लिया लोन

वारदात करने के बाद लुटे हुए गहनों में से कुछ गहनों को अगले ही दिन 27 अक्टूबर को बैंक में रखकर मारिया ने लोन भी ले लिया, ताकि पुलिस को गहने नही मिले। शातिर महिला मारिया बोहरा घटना के बाद से रोज घटनास्थल पर आती और पुलिसकर्मी के आस-पास से निकलते वक्त नमस्कार किया करती थी, ताकि पुलिस को उस पर शक न हो। बुधवार को पुलिस इसे गिरफ्त में नही लेती तो वह कुवैत भागने की फिराक में थी।

चुनावी पोळ

दूजै गांव रे सिद्ध ने,
घणा मान सूं टिकट।
घर को जोगी रह गयो,
खाली हाथ निपट।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | सरदारपुरा से सीएम गहलोत के सामने डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़

भाजपा की तीसरी लिस्ट से छंटा मारवाड़ की सियासत का कोहरा

यमुनाशंकर सोनी। बेधड़क

जोधपुर। सीएम अशोक गहलोत के सामने सरदारपुरा विधानसभा से भाजपा किसे मैदान में उतारेगी? मारवाड़ ही नहीं प्रदेशभर में राजनीति में रुचि रखने वाले इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। भाजपा की ओर से गुरुवार को जारी उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट ने इस सवाल का जवाब दे दिया। हॉट सीट सरदारपुरा से गहलोत के सामने भाजपा ने जोधपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ को चुनाव मैदान में उतारा है। जेएनवीयू में प्रोफेसर डॉ. राठौड़ पूर्व में जेडीए चेयरमैन रह चुके हैं। राठौड़ पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

जोधपुर शहर में तीन सीटें सरदारपुरा, जोधपुर और सूरसागर आती हैं। सरदारपुरा को हमेशा हॉट सीट माना जाता है। इस बार यह सीट इसलिए ज्यादा चर्चा रही कि गहलोत को घेरने के लिए भाजपा के लीक से हटकर नाम तय करने की चर्चाएं थीं। सबसे ज्यादा चर्चा केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत के नाम को लेकर थी। वे सरदारपुरा या जोधपुर के अलावा जिले की किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। इसलिए लोगों की उत्सुकता लगातार बनी हुई थी। भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में कुछ सांसदों के नाम आने के बाद अप्रत्याशित विरोध हुआ। संभवतः इसी वजह से पार्टी ने शेखावत के नाम पर फैसला टाल दिया। अब जोधपुर जिले की आठ में से शेरगढ़ विधानसभा से फिलहाल दोनों प्रमुख दलों ने अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं।

भाजपा ने जोधपुर जिले की आठ में से सात सीटों पर और कांग्रेस ने छह पर उम्मीदवार तय किए हैं। कांग्रेस को सूरसागर से भी नाम तय करना है। फलोदी जिले की दो सीटों में से भाजपा ने दोनों पर नाम का ऐलान कर दिया है। जबकि कांग्रेस ने अभी नाम तय नहीं किए हैं। भाजपा ने जोधपुर शहर सीट से अतुल भंसाली, लूणी से जोगाराम पटेल, ओसिंया से भैराराम सियोल, लोहावट से गजेन्द्रसिंह खींवसर, भोपालगढ़ से कमसा मेघवाल और पबाराम को उम्मीदवार बनाया है। पिछले चुनाव में इनमें से केवल पब्बाराम चुनाव जीत पाए थे। इस तरह जोधपुर शहर में विधायक मनीषा पंवार का मुकाबला अतुल भंसाली से, ओसिया में दिव्या मदेरणा का भैराराम सियोल से, भोपालगढ़ में गीता बरबड़ का कमसा मेघवाल से और लूणी में महेंद्र विश्नोई का जोगाराम पटेल से होगा। भाजपा ने संभाग में बाड़मेर, शिव, पचपदरा सीट पर उमीदवारों के नाम होल्ड पर रखे हैं। जैसलमेर में छोटूसिंह भाटी, गुड़ामलानी में केके विश्नोई, रानीवाड़ा में नारायणसिंह देवल, भीनमाल में पूराराम चौधरी पर भी वापस भरोसा जताया गया है।

हर बार बढ़ा है गहलोत की जीत का अंतर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले पांच बार से विधानसभा में सरदारपुरा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 1998 में जब गहलोत प्रदेश के पहली बार मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने सरदारपुरा सीट से ही उपचुनाव में जीतकर विधायकी हासिल की थी। इसके बाद से वे लगातार सरदारपुरा सीट से चुनाव जीत रहे हैं। 2008 के चुनाव में गहलोत ने भाजपा के राजेन्द्र गहलोत को 15 हजार 340 वोट से हराया था। 2013 के चुनाव में शम्भूसिंह खेतासर को 18 हजार 478 वोट से हराया। पिछले विधानसभा चुनाव 2018 में भी खेतासर ही भाजपा प्रत्याशी के रूप में गहलोत के सामने थे, इस चुनाव में गहलोत 45 हजार 597 वोट से जीते थे। गहलोत जोधपुर सीट से पांच बार सांसद भी रहे हैं।

जोधपुर जिले में अभी ये स्थिति

सीट	कांग्रेस	भाजपा	रालोपा
सरदारपुरा	अशोक गहलोत	महेंद्रसिंह राठौड़	
जोधपुर	मनीषा पंवार	अतुल भंसाली	अजय त्रिवेदी
सूरसागर		देवेन्द्र जोशी	
लूणी	महेन्द्र विश्नोई	जोगाराम पटेल	
ओसियां	दिव्या मदेरणा	भैराराम चौधरी	
बिलाड़ा	मोहनलाल	अर्जुन गर्ग	
भोपालगढ़	गीता बरबड़	कमसा मेघवाल	पुखराज गर्ग

वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते हैं राठौड़

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने जो नाम चर्चा में थे उनमें से एक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत का भी था। इनके अलावा हाल ही में भाजपा में शामिल हुए जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविंद्रसिंह भाटी को भी दावेदार बताया जा रहा था। लेकिन ऐन वक्त पर डॉ. राठौड़ के नाम पर मुहर लग गई। वैसे डॉ. राठौड़ को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का नजदीकी माना जाता है और ताजा लिस्ट में कई नाम राजे समर्थकों के माने जा रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने गहलोत के सामने शंभूसिंह खेतासर को उम्मीदवार घोषित किया था। वे 45 हजार से अधिक मतों से हारे थे।

बिहाइंड | द कर्टेन

डैमेज कंट्रोल करने वालों ने ही कर दिया डैमेज!

इतने दिन से कहा जा रहा था कि फूंक-फूंक कर नाम तय किए जा रहे हैं। पर जो नाम सामने आए वो ऐसे हैं जैसे खोदा पहाड़, निकली चुहिया। वो ही पुराने चेहरे। कुछ जीते हुए, कुछ हारे हुए। कुछ अपने दल के तो कुछ दूसरे दल से आने वाले। जैसे ही नाम सामने आए सारी फूंक निकल गई। तहलका मच गया। दोनों तरफ आग लगी है। अखबारों के पन्ने रंगे पड़े हैं। ये ही नाम तो नीचे से ऊपर गए थे। इन पर ही तो मंथन चल रहा था। फिर ये नौबत क्यों आ गई? जो बरसों से पार्टी का झंडा उठा रहे थे वे एक झटके में बेवफा क्यों हो गए। अब क्या किया जाए? डैमेज कंट्रोल किया जाएगा। कैसे होगा डैमेज कंट्रोल! आलाकमान और कोर कमेटी में बैठे लोगों ने ही तो नाम तय किए। सारा किया धरा उनका, फिर भी डेमेज हो रहा है तो कंट्रोल कौन कर सकता है। जब भाईलोग उनके फैसले नहीं मान रहे तो बगावत करने वालों को कौन मना सकता है। क्या आला कमान या कोर कमेटी से भी ऊपर कोई है। जी नहीं, इनसे ऊपर कोई नहीं। तो ऐसे नेता को जिम्मा सौंप दो जिसके पास कोई काम नहीं है। दूसरे शब्दों में जो नेता किसी काम का नहीं है। तो दोनों दलों ने कमेटियां बना दी हैं। ये कमेटियां पहले से बनी हुई हैं। इनकी कमान संभाल रहे कई नेता ऐसे हैं जो खुद टिकट से बचते फिर रहे हैं। अब जिन्हें मनाने का जिम्मा दिया गया है उनमें कई ऐसे हैं जो पहले खुद नाराज थे। अब कितने मान जाएंगे और कितने खेल बिगाड़ने के लिए मैदान में कूद जाएंगे या इस दल से उस दल में चले जाएंगे, कोई नहीं कह सकता। फिर भी, जो नाराज हैं उन्हें मनाना तो पड़ेगा। तो अब कहा जा रहा है कि राजनीति में सबको राजी नहीं रखा जा सकता। इसलिए चुनाव में जीतने के बाद एडजस्ट कर देंगे। ये फार्मूला कितना कारगर होगा वक्त बताएगा। टिकट के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं सब जानते हैं। इस बार परिस्थितियां ऐसी हैं कि खुद को दिग्गज समझने वाले कई नेताओं को टिकट से बचने में पसीने आ गए। अब लगभग ज्यादातर नाम तय हो चुकने के बाद थोड़ी राहत मिली है। राजनीति को ऐसे ही दोधारी तलवार नहीं कहा जाता। कई बार उससे किसी को टिकट काट कर निपटाया जाता है तो किसी को टिकट देकर निपटा दिया जाता है। जो अनुभवी होते हैं उन्हें पता होता है कि हर बार ऐसा होता है।

■ यायावर

ई | वॉर

थड़ी | पॉलीटिक्स

जब नेता केवल अपनी सोच रहे हैं, तो जनता भी देखे अपना फायदा

स्थान टी स्टॉल **समय** शाम 5:25 बजे

चांदी की टकसाल, जयपुर

दंगल की तस्वीर धीरे धीरे साफ हो रही है। चुनावी दंगल में उतरने वाले पहलवानों के चेहरों से जैसे-जैसे परदा हट रहा है, रोमांच का माहौल और गहराता जा रहा है। कयासों, अनुमानों का दायरा उम्मीदवारों के चेहरे से हट कर भावी विधायकों के चेहरों पर शिफ्ट हो रहा है। कुल मिलाकर मौसम ठंडा हो रहा है पर माहौल गर्म है। गली-मौहल्लों में समर्थकों के साथ वोट मांगते नेताजी बड़ी आसानी से देखे जा सकते हैं। इन दिनों नेताजी भी 'कुछ भी करने को तैयार' वाली मुद्रा में हैं। तो, आम लोगों के बीच चल रहे शगूफों के माध्यम से राजनीति का असली चेहरा पढ़ने हम पहुंचे हवामहल इलाके में चांदी की टकसाल के पास मौजूद टी स्टॉल पर। चाय बना रहे टी-स्टॉल संचालक के सामने लकड़ी के बैंचों पर लोगों के ग्रुप बैठे हुए हैं। हर ग्रुप में अलग अलग मुद्दों पर चर्चा चल रही हैं। "तो, महाराज के हो गया तिलक, अब देखते हैं सामने कौन आता है। एक बात है, ये पार्टी मौके पर चौका मारती है। महाराज का देखते-देखते कैसा माहौल बनाया और देखते-देखते ही सारे पुराने मोहरों को साइड में बिठा कर महाराज को प्रोजेक्ट कर दिया।" हवामहल के टिकट से बात शुरू हुई तो सीधे यूपी जा पहुंची- "भाई, अब तो बाबा छाप राजनीति शुरू हो गई है। कोई पता नहीं है अगर इनकी सरकार बन गई तो सीएम भी कोई महाराज ही बन जाएं और बाकी सारे नेता देखते ही रह जाएं।" बात के समर्थन में एक कोने से आवाज आई-"अरे तो सही है भाई, नेताजी सारा माल खाकर जनता को बाबा बना दें उससे अच्छा है बाबा को ही नेता बना दो।" पंच पर ठहाके गूंज उठे। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई-"पर यार जयपुर में तो बड़ी मारामारी चल रही है। अब पड़ौस में तो अभी तक किसी को उतारा ही नहीं। और दूसरी सीटों पर भी ये ही हाल हैं, कहीं किसी पार्टी को जोर आ रहा है तो कहीं किसी को।" बात सही भी थी। सामने से पूरी चर्चा का कन्क्लूजन निकल कर आया- "सब अपनी गोटियां सैट कर रहे हैं भाई, अब जिन नेताओं को दूसरी पार्टियों से लाए हैं उनको भी सैट करना है, अपने नेताओं को भी मीठी गोली देनी है, सारी पार्टियों के आलाकमानों की जोरदार कसरत हो रही है। अभी तो देखते जाओ क्या क्या दिखेगा। पर सारे नेता ही अपनी-अपनी सोच रहे हैं तो जनता को भी अपनी ही सोचनी चाहिए और उसी नेता को वोट देना चाहिए जो लायक हो।" इसी के साथ चर्चा पर विराम लगा और मंडली बर्खास्त हुई।

पॉली | क्लिक्स

वोट का बंधन

चुनावी माहौल में नेता अपने इलाके के मतदाताओं को रिझाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। किशनपोल से कांग्रेस प्रत्याशी अमीन कागजी ने अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान एक महिला से राखी बंधवाई।

पॉली | टून

चुनावी | इतिहास के झरोखे से

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

चौधरी कुम्भाराम वह भूल नहीं करते तो राजस्थान को मिल सकता था जाट CM

आपातकाल में 19 माह कारागृह में रहे एक दिग्गज किसान नेता की कथित राजनीतिक भूल ने जहां उन्हें राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने की संभावना से वंचित रखा, वहीं एक प्रधानमंत्री की मंशा भी पूरी नहीं हो सकी।

इस कहानी की तह में जाने से पहले हमें आपातकाल के अंतिम चरण की तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखना होगा। तत्कालीन रक्षा मंत्री चौधरी बंशीलाल ने भरतपुर के प्रमुख नेता एवं राज्यसभा सदस्य नत्थीसिंह को बुलाकर लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए कहा। चौधरी का तर्क था कि अमेरिका में जिम्मी कार्टर राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत गये हैं इसलिए भारत में कांग्रेस की विजय की संभावना को देखते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आपातकाल समाप्त कर लोकसभा चुनाव कराने जा रही हैं। नत्थीसिंह ने उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चरणसिंह से उनके बड़े दामाद गुरुदत्त सोलंकी के माध्यम से मुलाकात में जब यह बात बताई तो उन्हें आश्चर्य हुआ। चरणसिंह ने आपातकाल की ज्यादतियों के बारे में चर्चा की और नत्थीसिंह को उलाहना दिया कि आप जैसे लोग कांग्रेस में बैठे-बैठे

यह सब कैसे सहन कर रहे हो। लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ विपक्ष के गिरफ्तार नेताओं की रिहाई हो गई। इधर तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री जगजीवनराम, हेमवतीनंदन बहुगुणा कांग्रेस छोड़ने से राजनीतिक परिदृश्य बदल गया। बकौल नत्थीसिंह बंसीलाल जी ने उन्हें बुलाकर कहा कि एक पार्टी के सभी पुराने लोगों को साथ रखना जरूरी है, अब भरतपुर से राजबहादुर को चुनाव लड़ाया जाएगा जबकि युवा नेता संजय गांधी की नाराजगी के चलते केबीनेट मंत्री पद से त्यागपत्र लेने के पश्चात उन्हें पंजाब का राज्यपाल बनाने की चर्चा थी।

अब इस कहानी के निर्णायक मोड़ पर आते हैं। वर्ष 1977 में लोकसभा चुनाव हो गए थे और राज्यों में कांग्रेस शासित राज्य सरकारों की बर्खास्तगी के पश्चात नए चुनाव कराने की प्रक्रिया आरम्भ हो गई थी। लोकसभा में जनता पार्टी बहुमत में थी और राज्यसभा में अल्पमत में थी।

चौधरी चरणसिंह किसानों के हित में काम करने के लिए और समाजवादी नेता मधु लिमये, सुरेन्द्रमोहन अपने पुराने साथी नत्थीसिंह को जनता पार्टी में शामिल होकर विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए दवाब बना रहे थे।

चौधरी चरणसिंह चाहते थे जाट मुख्यमंत्री

तो अब इस कहानी का अंतिम परिदृश्य राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने से कुछ पहले से जुड़ता है। बिडम्बना देखिए कि चौधरी कुम्भाराम जैसा खांटी किसान नेता 19 माह जेल में रहने के बावजूद अचानक कांग्रेस में शामिल होता है। नत्थीसिंह ने उन्हें बहुत समझाया लेकिन वह नहीं माने। उनका आकलन यही था कि चुनाव में कांग्रेस को सफलता मिलेगी। परिणाम विपरीत रहा। जनता पार्टी कार्यालय में जबरन घुसने से चौधरी कुम्भाराम आर्य की छवि धूमिल हुई। इधर भैरोंसिह शेखावत मुख्यमंत्री पद संभाल चुके थे। बकौल नत्थीसिंह चरणसिंह दुखी मन से कहा- मैं इस कुम्भाराम को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाना चाहता था, क्योंकि पूरे देश में जाटों की सर्वाधिक आबादी राजस्थान में ही है लेकिन उनमें से किसी को भी अभी तक मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं मिला। कुम्भाराम जनाधार वाले नेता थे। अबके उनका नम्बर जरूर आता लेकिन आपातकाल में जेल में रहने के बाद वे कांग्रेस में भाग गए और अब उसकी हार के बाद वह इस तरह का अनुचित नाटक कर रहे हैं।" और एक जननेता की राजनीतिक भूल इतिहास में दर्ज हो गई। परिवर्तित राजनीतिक परिस्थितियों में राज्यसभा के चार सदस्यों ने कांग्रेस पार्टी छोड़ जनता पार्टी में सम्मिलित होने को निर्णय लिया। इनमें तीन आन्ध्रप्रदेश और चौथे राजस्थान से नत्थीसिंह थे। इंदिरा की प्रतिक्रिया थी कि- नत्थीसिंह ने तो जाति आधार पर चौधरी चरणसिंह के प्रभाव में कांग्रेस छोड़ी है। दिलचस्प तथ्य यह है कि इंदिरा राज्यसभा के तत्कालीन सदस्य राजनारायण के मुकाबले अच्छे वक्ता के रूप में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से कांग्रेस में शामिल नेताओं को राज्यसभा में लाने की जुगाड़ में थी। तब नत्थीसिंह का नाम आया और रामनिवास मिर्धा ने भी इंदिरा को बताया था कि वह विधानसभा में दमदारी से बोलते हैं।

भौतिक संसाधनों में नहीं है वास्तविक सुख

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

देखते ही देखते विकास के पैमाने बदलते जा रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से संपन्नता सामाजिक प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करने लगी है। उच्च स्तरीय आदर्श भी आर्थिक विपन्नता के चलते तथाकथित विकसित समाज में कोई विशेष मोल नहीं रखते। हालांकि उच्च स्तरीय आदर्शों की चर्चा अवश्य ही जाती है, लेकिन ऐसी चर्चा मात्र समय काटने की दृष्टि से बौद्धिक जुगाली से अधिक और कुछ सिद्ध नहीं होती।

निरंतर बाजार में नए-नए उपभोक्ता उत्पाद उतारे जा रहे हैं जिसे हर कोई अपने उपभोग में लेने को आतुर नजर आता है। इस धारणा के चलते व्यक्ति की सोच में धन अर्जन को प्राथमिकता दी जाने लगी है। यह सिलसिला दिनों दिन तेजी पकड़ता जा रहा है। बीते समय में पारिवारिक संस्कारों की समाज में बहुत अहमियत हुआ करती थी, लेकिन वर्तमान दौर में सामाजिक नजरिया आर्थिक होता जा रहा है। प्रगति की अंधी दौड़ में दौड़ते-दौड़ते हम अपनी सहज स्वाभाविकता को निरंतर खोते जा रहे हैं, जितनी तीव्रता के साथ हम आधुनिकता को आत्मसात कर रहे हैं, उतनी ही तीव्र गति से हम निरंतर पतन के गर्त में भी गिरते जा रहे हैं।

हमने विकास की बड़ी-बड़ी कीमतें चुकाई है और अब भी चुका रहे हैं। तकनीकी संसाधनों के दुरुपयोग ने सामाजिक जनजीवन में उच्चस्तरीय नैतिक संस्कारों को विलोपित-सा कर दिया है। विज्ञान के ज्ञान का ऐसा अनर्थ, दिनोंदिन हमारे सामाजिक जीवन के ताने-बाने को अस्त-व्यस्त करते हुए नैतिक मर्यादा को तार-तार करता जा रहा है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली, हमारे देश के निकट भविष्य नौनिहालों को नैतिक संस्कारों से परिपूर्ण करने के बजाय उन्हें प्रतिस्पर्धा की भट्टी में झोंककर रखने को बढ़ावा दे रही है। शिक्षा का मूल उद्देश्य अधिकाधिक धन उपार्जन की क्षमता विकसित करने का होकर रह गया है। वर्तमान दौर में तथाकथित जागरूक अभिभावक प्रकारांतर से अपने नौनिहालों को "टकसाल" के रूप में ढाल रहे हैं। परिवार के बेहतर भविष्य की परिकल्पना को साकार स्वरूप देने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन समाज व राष्ट्र के बारे में कोई उतना नहीं सोच रहा जितना कि सोचना चाहिए। स्वार्थसिद्धि का "सर्वार्थसिद्धि" के रूप में परिवर्तित हो जाना निश्चित ही गंभीर चिंता का विषय है, लेकिन चिंता के इस विषय पर चिंतन करना, वर्तमान आपाधापी के दौर में बेकार की बात मान ली गई है। यही स्थिति और यही परिस्थिति कालांतर में "स्वार्थ प्रधान" युग की आधारशिला रख देगी।

> *"प्राचीनकालीन गुरुकुल परंपरा की पुनर्स्थापना तो शायद संभव नहीं होगी, क्योंकि अब शिक्षा के मायने बदल गए हैं, लेकिन कम से कम इतना तो अवश्य किया जा सकता है कि शैक्षणिक संस्थानों में आदर्श नागरिक संहिता का पाठ बच्चों को पढ़ाया जाए। हमारे गौरवशाली अतीत की व्यावहारिक पृष्ठभूमि से आने वाली पीढ़ी को अवगत कराया जाना, हमारी अपनी पहचान को संरक्षित और सुरक्षित करने की दिशा में एक कारगर प्रयास होगा।"*

ऐसा होने पर हमारी गौरवशाली सभ्यता एवं संस्कृति महज एक इतिहास का अंग बनकर रह जाएगी। प्राचीनकालीन गुरुकुल परंपरा की पुनर्स्थापना तो शायद संभव नहीं होगी, क्योंकि अब शिक्षा के मायने बदल गए हैं, लेकिन कम से कम इतना तो अवश्य किया जा सकता है कि शैक्षणिक संस्थानों में आदर्श नागरिक संहिता का पाठ बच्चों को पढ़ाया जाए। हमारे गौरवशाली अतीत की व्यावहारिक पृष्ठभूमि से आने वाली पीढ़ी को अवगत कराया जाना, हमारी अपनी पहचान को संरक्षित और सुरक्षित करने की दिशा में एक कारगर प्रयास होगा। दरअसल हमें नकारात्मक दौर में भी सकारात्मक दृष्टि को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ना होगा।

बेहतर, और अधिक बेहतर हो सकता है यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी भावी पीढ़ी देश के आदर्श महापुरुषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से पूर्ण रूप से परिचित नहीं है। हमारे प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के आधार हैं, यह दृष्टिकोण भावी पीढ़ी में अवश्य ही स्थापित किया जाना चाहिए। व्यावसायिक दृष्टिकोण को भी नियंत्रित किए जाने की आवश्यकता है। व्यावहारिकता की कसौटी पर कसकर तराशा गया भविष्य, स्वर्णिम भविष्य की परिकल्पना को साकार सिद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। अन्यथा आने वाले दौर में स्वार्थ के वशीभूत आदमी परमार्थ को विस्मृत करते हुए जिएगा तो केवल अपने लिए। ऐसा होने पर मानवीय मूल्यों का क्या होगा? सामाजिक जनजीवन के ढांचे का क्या होगा? और मानव, जब मानव बनकर नहीं रह सकेगा तब चहुंओर दानवता फैलने से कौन किसे रोक सकेगा? खैर, आज नहीं तो कल लेकिन इस संदर्भ में संज्ञान अवश्य लेना पड़ेगा। बेहतर हो यदि मानवीय मूल्यों को जीवन के व्यावहारिक मूल्यों के समक्ष दर्जा देने के एकल व सम्मिलित प्रयास किए जाएं। निश्चित तौर पर ऐसा कर सकने पर ही हम यह दावा कर सकेंगे कि हम सुनहरे कल की ओर बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर इस संदर्भ में हमें अपनी मानसिकता में सकारात्मक रूप से व्यापक बदलाव लाने की जरूरत है। यह निश्चित है कि सहज स्वाभाविक परिवर्तन की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से नकारा नहीं जा सकता, लेकिन विकास के अनुक्रम में हम अपनी साझेदारी को अपनी महान गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप तो ढाल सकते हैं। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हमें गौरवान्वित करती है। लेकिन हम अपनी संस्कृति से परे रहकर वैश्विक स्तर पर अतिरिक्त मान-सम्मान के सहभागी सिद्ध नहीं हो सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अदाकार पृथ्वीराज कपूर के जन्मदिवस पर विशेष

इंसानियत और दरियादिली की मिशाल

ज़ाहिद खान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *"अदाकारा दुर्गा खोटे ने अपनी आत्मकथा में इस बात का तफ्सील से ब्योरा दिया है कि किस तरह से उन्होंने अपने मामूली कर्मचारी को प्लेग की अफवाहों के बीच, कंधे पर रखकर उसे अस्पताल पहुंचाया। यही नहीं, वे उस वक्त तक अस्पताल में रहे, जब तक कि वह कर्मचारी सेहतमंद नहीं हो गया। लेखक, गीतकार विश्वामित्र आदिल को अस्थमा की बीमारी थी, सड़क पर उड़ने वाली धूल उन्हें परेशान कर डालती थी।"*

भारतीय सिनेमा में पृथ्वीराज उस बेमिसाल शख्सियत का नाम है, जिनकी शानदार अदाकारी के साथ-साथ उनकी इंसानियत और बेपनाह दरियादिली के भी कई किस्से मकबूल हैं। पृथ्वीराज कपूर जब कामयाबी के उरूज पर थे, तब उन्होंने बॉम्बे में एक ट्रेवलिंग थिएटर कंपनी के तौर पर 'पृथ्वी थिएटर' की कायमगी की। इस ग्रुप का मोटो था 'कला देश के लिए'।

'पृथ्वी थिएटर' के मार्फत देश के छोटे-बड़े शहरों में उन्होंने ढाई हजार से ज्यादा नाटकों का मंचन किया। पृथ्वी थिएटर में तकरीबन डेढ़ सौ लोग शामिल थे। तीन घंटे का शो खत्म होने के बाद, पृथ्वीराज कपूर गेट पर झोला लेकर खड़े हो जाते थे, ताकि शो देखकर आ रहे दर्शक उसमें अपने दिल से कुछ मदद करें। शो के जरिए जो पैसा इकट्ठा होता, उससे उन्होंने एक 'वर्कर फंड' बनाया था। जो 'पृथ्वी थिएटर' में काम करने वाले कलाकारों, टेक्नीशियनों और कर्मचारियों की मदद के काम आता था। बीसवीं सदी का चौथा दशक मुल्क की सियासत में बड़ा उथल-पुथल भरा और निर्णायक दौर था। अंग्रेज हुकूमत ने जब भारत पर अपनी गिरफ़्त कमजोर होती देखी, तो उसने देश के दो बड़े समुदायों हिंदू और मुस्लिम की एकता को तोड़ने के लिए उनके बीच मतभेद बढ़ाना शुरू कर दिए। ताकि ये दोनों कौमें आपस में भिड़ी रहें और वे आराम से उन पर हुकूमत करते रहें। पृथ्वीराज कपूर ने 'पृथ्वी थिएटर' के जरिए उस वक्त जो ड्रामे 'दीवार', 'पठान', 'गद्दार' और 'आहुति' का मंचन किया, वे राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने वाले थे। उन्होंने अपने इन नाटकों के माध्यम से देशवासियों में जहां एकता का पाठ पढ़ाया, वहीं अंग्रेज हुकूमत की चालबाजियों की तरफ भी इशारा किया।

देश की आजादी के लिए उन्हें बेदार किया। पृथ्वीराज कपूर 'भारतीय जन नाट्य संघ' यानी इप्टा के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। साल 1943 में जब मुंबई में इप्टा की दागबेल डली, तो वो उससे जुड़ गए। पृथ्वीराज कपूर मुंबई इप्टा के ऑनरेरी प्रेसीडेंट भी रहे। बंगाल में जब भयानक अकाल पड़ा, तो इप्टा ने अकाल पीड़ितों की मदद के लिए, देश भर में नाटकों के कई शो किए। ताकि चंदा इकट्ठा किया जा सके। रेबा रॉय चौधरी जो इप्टा की एक अहम साथी थीं, उन्होंने अपनी आत्मकथा में मुंबई के उस वाकिआत का तफ्सील से ब्योरा दिया है, जिसमें पृथ्वीराज कपूर अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए थे। 1944 में चर्चगेट रेलवे स्टेशन के पास मराठी सेंटेनरी के अहाते के विशाल आंगन में मंच बनाकर हमने 'वॉयस ऑफ़ बंगाल' का प्रदर्शन किया।

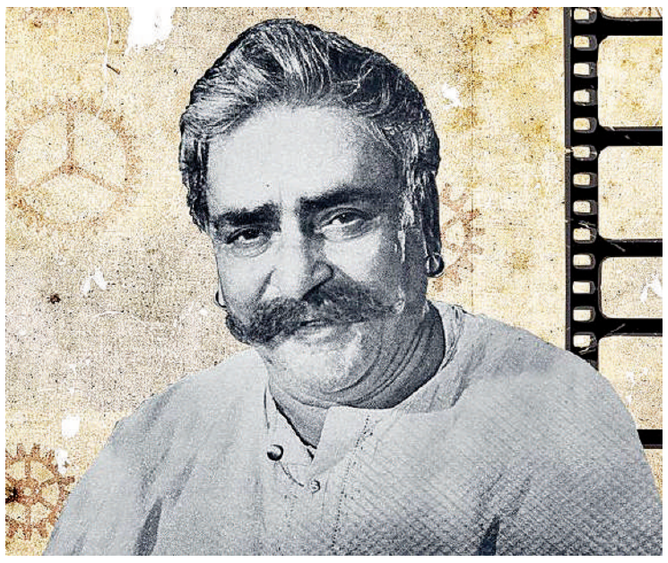

पहले 'है..है..जापान' गीत के साथ डांस, फिर हारीन चट्टोपाध्याय का डांस 'दही बेचने वाला...' उसके बाद हमने उनका गीत गाया 'सूर्य अस्त हो गया गगन मस्त हो गया।' एक के बाद एक गीत और नृत्य चल रहे हैं। दर्शक दीर्घा में फ़िल्मी दुनिया की बड़ी-बड़ी हस्तियां बैठी हैं-पृथ्वीराज कपूर अपनी बीवी के साथ। जयराज, बनमाला, वी शांताराम और शोभना समर्थ वगैरह। मंच पर गीत चल रहा है 'सुनो हिन्द के रहने वाले..' अचानक पृथ्वीराज कपूर मंच पर आकर माइक पर ऐलान करते हैं कि "हमें बंगाल के अकाल पीड़ितों की मदद के लिए कुछ करना चाहिए।" फिर वे अपने सर की टोपी हाथ में लेकर, दर्शकों के बीच पहुंच गए और अपने बॉलीवुड के सभी साथियों के साथ बीस हजार रुपए बतौर चंदा इकट्ठा करके हमे दे गए।" पृथ्वीराज कपूर के बारे में ऐसे कई किस्से मशहूर हैं, जब उन्होंने अपने साथी कलाकारों या जूनियर कलाकारों की आगे बढ़कर मदद की। अदाकारा दुर्गा खोटे ने अपनी आत्मकथा में इस बात का तफ्सील से ब्योरा दिया है कि किस तरह से उन्होंने अपने मामूली कर्मचारी को प्लेग की अफवाहों के बीच, कंधे पर रखकर उसे अस्पताल पहुंचाया।

यही नहीं, वे उस वक्त तक अस्पताल में रहे, जब तक कि वह कर्मचारी सेहतमंद नहीं हो गया। लेखक, गीतकार विश्वामित्र आदिल को अस्थमा की बीमारी थी, सड़क पर उड़ने वाली धूल उन्हें परेशान कर डालती थी। पृथ्वीराज कपूर को जब यह बात मालूम चली, तो उन्होंने यह रोजाना का मामूल बना लिया कि सुबह-सुबह सड़क पर पानी का छिड़काव करवाते। ताकि धूल न उड़े। पृथ्वीराज कपूर की दरियादिली और इंसानियत के कई किस्सों का जिक्र शौकत आजमी ने अपनी आत्मकथा 'याद की रहगुजर' में किया है। शौकत आजमी जब उनके नाटकों में रिहर्सल के लिए जाती, तो उन्होंने छोटी बच्ची शबाना के लिए बाकायदा एक आया का बंदोबस्त किया। ताकि शौकत अपनी रिहर्सल बिना चिंता के कर सकें। पृथ्वीराज कपूर अपनी पूरी टीम के साथ ही खाना खाते और उन्हीं के साथ इकट्ठा रहते। उन्हीं के साथ सोते। अपनी टीम के साथ उनका एक सा बर्ताव होता। अपने साथियों के दुखों और परेशानियों में वे हर दम उनके साथ खड़े रहते। पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लगाव था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शख्सियत और शायरी के शैदाई थे।

अविभाजित भारत के 3 नवंबर 1906 को समुंद्री, पंजाब में पैदा हुए पृथ्वीराज कपूर का अधिकतर बचपन पंजाब के लायलपुर जिले में बीता। आठ साल की उम्र में उन्होंने पहली बार स्कूली नाटक में हिस्सा लिया। कपूर ने शुरुआत में लायलपुर खालसा कॉलेज और बाद में पेशावर के एडवर्ड्स कॉलेज में अपनी पढ़ाई मुकम्मल की। 1928 में वे 'इंपीरियल कंपनी' से जुड़े और दो साल बाद यानी 1930 में 'सिनेमा गर्ल' में अभिनय किया। पृथ्वीराज कपूर ने नौ मूक फिल्मों में काम किया। साल 1931 में देश की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' का वे हिस्सा रहे। 1934 में देवकी बोस की फिल्म 'सीता' और 1939 में सोहराब मोदी की फिल्म 'सिकंदर' की कामयाबी के बाद पृथ्वीराज कपूर फिल्मी दुनिया में स्थापित हो गए। अपने चार दशक के फिल्मी करियर में उन्होंने 'रुस्तम सोहराब', 'फूल', 'आवारा', 'मुगल-ए-आजम', 'सिकंदर-ए-आजम', 'जानवर', 'हीर रांझा', 'कल आज और कल' और 'तीन बहुरानियां' जैसी कामयाब फिल्में दीं।

पृथ्वीराज कपूर को अपने जीते जी और मरने के बाद भी कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया। साल 1954 और 1956 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा उन्हें 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' से नवाजा, तो साल 1969 में भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। पृथ्वीराज कपूर को राज्यसभा का सदस्य भी मनोनीत किया गया। 29 मई, 1972 को उन्होंने इस दुनिया से विदाई ली। हिंदी सिनेमा और थिएटर में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए भारत सरकार ने साल 1972 में पृथ्वीराज कपूर को मरणोपरांत 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' से सम्मानित किया। यही नहीं साल 1996 में 'पृथ्वी थिएटर' की स्वर्ण जयंती पर भारतीय डाक विभाग ने पृथ्वीराज कपूर की याद में एक डाक टिकट भी जारी किया।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कविता

कवि
देवेन्द्र

प्रजातंत्र...

ये कैसा प्रजातंत्र है,
ये किसका प्रजातंत्र है।

क्या अनुकरणीय है यह प्रजातंत्र,
क्या पोषणीय है यह प्रजातंत्र,
क्या मौजूदा तंत्र है वाकई प्रजातंत्र,
क्या यह है एक परिपक्व प्रजातंत्र।

जहां भीड़ तंत्र को कहते हैं प्रजातंत्र,
जहां भ्रष्ट तंत्र को कहते हैं प्रजातंत्र,
जहां लूट तंत्र को कहते हैं प्रजातंत्र,
जहां गुंडई तंत्र को कहते हैं प्रजातंत्र।

प्रजातंत्र में बदमाश क्यों हो जाते हैं सत्तासीन,
प्रजातंत्र में बेईमान क्यों हो जाते हैं पदासीन,
प्रजातंत्र में भ्रष्टतम क्यों हो जाते हैं सत्तासीन,
प्रजातंत्र में फिरका परस्त क्यों हो जाते हैं पदासीन।

क्या आजादी के मतवालों ने ऐसा प्रजातंत्र चाहा था,
क्या स्वतंत्र भारत में इस प्रजातंत्र का सपना देखा था,
क्या प्रजातंत्र में भ्रष्ट एवं निकृष्ट का शासन बनाया था,
क्या धर्म जाति की राजनीति का प्रजातंत्र सोचा था।

प्रजातंत्र की अवधारणा को क्यों नहीं समझा हमनें,
प्रजातंत्र की अच्छाइयों को क्यों नहीं अपनाया हमनें,
प्रजातंत्र की पेचीदगियों को क्यों नहीं सुलझाया हमनें,
प्रजातंत्र की कमियों को क्यों नहीं सही किया हमनें।

आओ हम धन व बल की राजनीति को नकारें,
आओ हम मुफ्तखोरी की राजनीति को नकारें,
आओ हम धर्म जाति की राजनीति को नकारें,
आओ हम वैमनस्यता की राजनीति को नकारें।

आओ हम प्रजातंत्र के मूल्य को पहचानें,
आओ हम प्रजातंत्र के मर्म को जानें,
आओ हम प्रजातंत्र में सही को चुनें,
आओ हम वर्तमान तंत्र को स्वच्छ करें।

(ये कवि की अपनी पंक्तियां हैं)

नॉलेज कॉर्नर: फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्क भी कर चुके हैं दर्शन

विश्वभर से आते हैं श्रद्धालु कैंचीधाम

कैंचीधाम से देश के ही नहीं विदेश के भी लाखों लोग जुड़े हुए हैं। प्रतिवर्ष जून में यहां भक्तों का मेला लगता है। शिरडी, शेगांव, गोरखपुर, रामदेवरा और ददरेवा आदि की तरह ही कैंचीधाम भी एक जागृत स्थान है, जहां लाखों लोग माथा टेकने जाते हैं और मन्नत मांगते हैं। कैंचीधाम उत्तराखंड के नैनीताल के पास स्थित है। यह धाम एक ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। चमत्कारी बाबा नीम करौली ने इस आश्रम की स्थापना 1964 में की थी। उत्तराखंड के नैनीताल के पास कैंची धाम में बाबा नीम करौली 1961 में पहली बार आए थे। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानते हैं बाबा नीम करौली और उनके चमत्कार के बारे में...

ये मशहूर हस्तियां हैं बाबा के भक्त

नीम करौली बाबा के भक्तों में एप्पल के मालिक स्टीव जॉब्स, फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्क और हॉलीवुड एक्ट्रेस जूलिया रॉबर्ट्स का नाम लिया जाता है। कहा जाता है कि इस धाम की यात्रा करके उनका जीवन बदल गया। रिचर्ड एलपर्ट (रामदास) ने नीम करौली बाबा के चमत्कारों पर 'मिरेकल ऑफ लव' नामक एक किताब लिखी, जिसमें 'बुलेटप्रूफ कंबल' नाम से एक घटना का जिक्र भी है। बाबा हमेशा कंबल ही ओढ़ा करते थे। आज भी लोग जब उनके मंदिर जाते हैं तो उन्हें कंबल भेंट करते हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी धर्मपत्नी अनुष्का शर्मा ने भी नीम करौली बाबा के दर्शन किए। प्रतिवर्ष 15 जून को देवभूमि कैंचीधाम में मेले का आयोजन होता है और यहां देश-विदेश से बाबा नीम करौली के भक्त आते हैं। श्रद्धालुओं के अनुसार बाबा नीम करौली को हनुमानजी का अवतार माना जाता है। देश-विदेश से रोज हजारों भक्त यहां आशीर्वाद लेने आते हैं।

इसलिए है प्रसिद्ध

बाबा नीम करौली चमत्कारिक बाबा थे। उनके भक्त उन्हें हनुमानजी का अवतार मानते हैं। वे एक सीधे-सादे सरल व्यक्ति थे। उनके संबंध में कई तरह के चमत्कारिक किस्से बताए जाते हैं। उनके चमत्कारों और हनुमानजी की कृपा के कारण ही यह धाम प्रसिद्ध है। यह एक ऐसी जगह है जहां कोई भी मुराद लेकर आए तो वह खाली हाथ नहीं लौटता। यहां बाबा का समाधि स्थल है। इसके अलावा यहां हनुमानजी की मूर्ति भी स्थापित है। बाबा नीम करौली की भी एक भव्य मूर्ति स्थापित की गई है।

लक्ष्मीनारायण वास्तविक नाम

नीम करौली बाबा का वास्तविक नाम लक्ष्मीनारायण शर्मा था। उत्तरप्रदेश के अकबरपुर गांव में उनका जन्म हुआ था। ग्यारह वर्ष की उम्र में ही बाबा का विवाह हो गया था। शादी के कुछ समय बाद ही बाबा ने अपना घर त्याग दिया और साधुओं की भांति विचरण करते हुए बाद में नीम करौली के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
'कालेश्वरम एटीएम' बड़े पैमाने पर ₹1 लाख करोड़ के कालेश्वरम घोटाले का प्रतीक है - अब तक का सबसे बड़ा सिंचाई घोटाला, 'प्रजाला' को बर्बाद करने और उनके पैसे को खत्म करने के लिए 'दोराला' केसीआर द्वारा रचित।

अमिताभ बच्चन, अभिनेता
@SrBacchan
वो भी क्या दिन थे !!!

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
कभी दूसरे को सुनाने के लिए अपनी आवाज ऊंची मत करो, बल्कि खुद इतने ऊंचे उठो, कि लोग आपको सुनने के लिए इन्तजार करें।

कर्नाटक के सीएम ने ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बदलने की खबरों को किया खारिज

5 साल तक रहेगी हमारी सरकार... मैं CM हूं और बना रहूंगा: सिद्धारमैया

एजेंसी | होसपेट (कर्नाटक)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कहा कि वह पूरे पांच साल तक पद संभालेंगे। यह स्पष्टीकरण सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक वर्ग के भीतर इस सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के मद्देनजर आया है।

जब उनसे मुख्यमंत्री परिवर्तन के बारे में पार्टी के भीतर से बार-बार भ्रमित करने वाले बयानों के बारे में पूछा गया तो सिद्धरमैया ने कहा कि भ्रमित करने वाला बयान किसने दिया है? अगर कोई बेकार

बोलता है तो आप उसे महत्व क्यों देते हो।" यह स्पष्ट करने के लिए पूछे जाने पर कि क्या वह पूरे पांच साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे, उन्होंने कहा कि 'पांच साल तक हमारी सरकार रहेगी...मैं मुख्यमंत्री हूं, मैं बना रहूंगा।' तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों पर उन्होंने कहा, किसने कहा? यह सब आलाकमान तय करता है। कांग्रेस क्षेत्रीय पार्टी नहीं, राष्ट्रीय पार्टी है। बिना आलाकमान से चर्चा के कुछ भी तय नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री के रूप में मैं या विधायक सरकार नहीं बदल सकते। हमारे पास आलाकमान है, वो निर्णय लेगा। जब से यह सरकार सत्ता में आई है, तब से मुख्यमंत्री को बदले जाने को लेकर पार्टी के भीतर दावे और प्रतिदावे होते रहे हैं, जिनमें कहा गया कि सिद्धारमैया को ढाई साल बाद उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार को जगह देनी पड़ सकती है।

20 मई को ली थी शपथ

कांग्रेस द्वारा भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के बाद इस साल 20 मई को सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस पार्टी ने हालांकि शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री पद के लिए मना लिया।

चुनावों में नहीं चलेगी भाजपा की धर्म की राजनीति: जैन

इंदौर। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक की तरह मध्यप्रदेश समेत पांच राज्यों के मौजूदा विधानसभा चुनावों में भी इस दल की धर्म की राजनीति नहीं चलेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जैन ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने कर्नाटक के पिछले विधानसभा चुनावों में धर्म की राजनीति की थी जिसमें वह बुरी तरह नाकाम रही और पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी इस पार्टी की धर्म की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश समेत पांच राज्यों में जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा की दुर्दशा होने वाली है। राम मंदिर मुद्दे को भाजपा द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भुनाने की कोशिश पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा,'देखिए, ये वे पापी हैं जिन्हें अपने मुंह से भगवान श्री राम का नाम नहीं लेना चाहिए। आप इनका इतिहास देखिए, ये लोग गोडसे की मूर्ति लगवाने लोगों को महिमामंडित करते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने भगवान राम का नाम दुनिया भर में पहुंचाया और मरते वक्त भी उनके मुंह से 'हे राम' शब्द निकले। जैन ने भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा,' धर्म इनका 'बिजनेस' (कारोबार) है। इनके लिए कोई आराध्य नहीं है। इनके लिए सबसे बड़ा रुपया है.... इन्हें भगवान राम से कोई मतलब नहीं है।'

पूर्व आईपीएस ब्रजकिशोर रवि कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी ब्रजकिशोर रवि गुरुवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। मूल रूप से बिहार के रहने वाले ब्रजकिशोर तमिलनाडु पुलिस में कई वरिष्ठ पदों पर रह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन ने किशोर का पार्टी में स्वागत किया। हुसैन ने कहा कि देश भर में लोग कांग्रेस के साथ जुड़ रहे हैं। कांग्रेस के पक्ष में लहर है। विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा चुनाव के नजरिये से यह महत्वपूर्ण है।

'विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करेगी भाजपा'

जबलपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को कहा कि इस महीने होने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी कांग्रेस से राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सत्ता छीन लेगी और मध्य प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखेगी। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे, जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जबलपुर में संवाददाताओं से कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हम निर्णायक जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में चुनाव कांग्रेस के झूठे वादों के विपरीत भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर लड़ा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि लोग डबल इंजन सरकार (केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार) के फायदे जानते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस 'कमीशन, करप्शन और कट' वाली पार्टी: शाह

एजेंसी | करनाल (हरियाणा)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए इसे 'कट, कमीशन और करप्शन' वाली पार्टी करार दिया तथा 'इंडिया' गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने अपने खुद के हित साधने के लिए हाथ मिलाया है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर भाजपा लोगों के कल्याण के लिए काम करती है।

हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित 'अंत्योदय सम्मेलन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने राज्य के समग्र विकास के लिए मनोहरलाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने पिछले नौ वर्षों में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद को समाप्त किया है और कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार किया है। नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार की विभिन्न पहलों और योजनाओं का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने लोगों से हरियाणा में सभी सीट पर भाजपा को जिताने की अपील की। लोकसभा चुनाव और हरियाणा विधानसभा चुनाव अगले साल होने हैं। उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टीकरण और जाति आधारित राजनीति करने का आरोप लगाया। हरियाणा के कई मंत्री, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और प्रदेश भाजपा प्रमुख नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री के गृह निर्वाचन क्षेत्र करनाल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कांग्रेस ने राम मंदिर मुद्दे को लटकाए रखा

अमित शाह ने राम मंदिर मुद्दे पर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। शाह ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस ने राम मंदिर मुद्दे को लटकाए रखा और अयोध्या में इसके निर्माण में बाधा डाली। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने राम मंदिर की नींव रखी। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को विशाल मंदिर में भगवान रामलला के विग्रह की 'प्राण प्रतिष्ठा' की जाएगी।

'इंडिया' गठबंधन पर बोला हमला

कार्यक्रम में शाह ने मुख्यमंत्री मनोहरलाल और अन्य की मौजूदगी में 'अंत्योदय' परिवारों के लिए पांच योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि कहा कि कांग्रेस न तो हरियाणा का विकास कर सकती है और न ही देश का। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को "घमंडिया" गठबंधन करार देते हुए शाह ने आरोप लगाया कि इसमें शामिल सभी 27 दल 'परिवारवादी' हैं। शाह ने कहा कि किसी को अपने बेटे को समायोजित करना है, किसी को अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना है, किसी को अपने बेटे को एजेंसियों से बचाना है, जबकि किसी को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। कुछ को मैडम का वफादार बनना है। क्या ये लोग जनता का कुछ भला कर सकते हैं?"

नोटिस को बताया अवैध और राजनीति से प्रेरित

ED के सामने नहीं गए केजरीवाल MP में रोड शो में लिया हिस्सा

एजेंसी | सिंगरौली (मध्य प्रदेश)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन की अवहेलना कर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मध्य प्रदेश के सिंगरौली शहर में विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के लिए गुरुवार को एक रोड शो में हिस्सा लिया। उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी थे।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश नहीं हुए और इसके बजाय उन्होंने एजेंसी को पत्र लिखकर उन्हें तलब करने वाले नोटिस को वापस लेने की मांग की और दावा किया कि यह 'अवैध है और राजनीति से प्रेरित' है। उन्होंने और मान ने सिंगरौली

से पार्टी उम्मीदवार और आप की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल के लिए एक रोड शो में हिस्सा लिया।

भाजपा पर हमला करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पूरी ईमानदारी से काम किया है और न तो भ्रष्टाचार किया है और ना ही किसी को ऐसा करने दिया है। भाजपा देश में आठ साल से, मध्य प्रदेश में 15 साल से अधिक और गुजरात में 30 साल से अधिक समय से सत्ता में है, लेकिन वे न तो काम करते हैं और ना ही दूसरों को करने देते हैं।

केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर BJP का धरना

नई दिल्ली। भाजपा दिल्ली इकाई के नेताओं ने महात्मा गांधी के स्मारक राजघाट के निकट गुरुवार को धरना दिया और आबकारी नीति घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की। धरने पर बैठे भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आबकारी नीति में हजारों करोड़ रुपये का घोटाला हुआ और

दिल्ली का बच्चा बच्चा भी जानता है कि केजरीवाल ही इसके मुख्य साजिशकर्ता हैं। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन, सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी समेत शीर्ष भाजपा नेता धरने में उपस्थित थे।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता ने 25 अक्टूबर से शुरू किया था अनशन

मनोज जरांगे ने अनशन किया समाप्त

एजेंसी | जालना

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने गुरुवार को नौ दिन से जारी अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया।

राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल में शामिल मंत्रियों की उपस्थिति में जरांगे ने जूस पीकर अपना अनशन समाप्त किया और साथ ही यह चेतावनी भी दी कि यदि दो महीने के भीतर कोई निर्णय नहीं लिया गया तो वह मुंबई तक एक विशाल मार्च का नेतृत्व करेंगे। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे ने 25 अक्टूबर

को अपना अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया था। उन्होंने बुधवार को दोहराया था कि यदि मराठा समुदाय को आरक्षण देने की उनकी मांग महाराष्ट्र सरकार ने पूरी नहीं की तो वह शाम से पानी पीना भी बंद कर देंगे। जालना जिले में स्थित अपने गांव में जरांगे ने गुरुवार को अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त करने का ऐलान किया। इससे पहले राज्य के चार मंत्रियों ने उनसे मुलाकात की और उनसे अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों संदीप शिंदे, न्यायमूर्ति एम जी गायकवाड़ और कुछ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी जरांगे से मुलाकात की।

जरांगे ने पूरे महाराष्ट्र में मराठों के लिए आरक्षण की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने 'फुलप्रूफ आरक्षण' की मांग की और राज्य सरकार से उन्हें इसका आश्वासन देने को कहा।

चुनावों में दिखाई देगा जनता का गुस्सा: डी राजा

पटना। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार की नीतियां विनाशकारी रही हैं और जनता का असंतोष पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के नतीजों में दिखेगा। भाकपा नेता ने 'भाजपा हटाओ देश बचाओ' रैली के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का दावा करते हैं, लेकिन उनकी सरकार की नीतियां विनाशकारी हैं।

राहुल ने किया मेदिगड्डा बैराज का दौरा

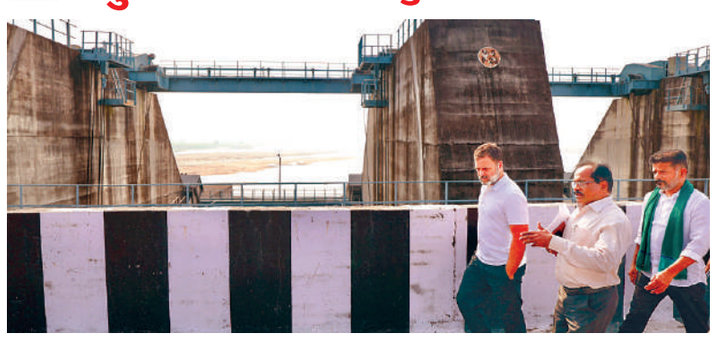

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दुनिया की सबसे बड़ी बहु-चरणीय लिफ्ट सिंचाई परियोजना कहलाने वाली तेलंगाना की कालेश्वरम परियोजना के मेदिगड्डा बैराज का दौरा किया, जहां बैराज के कई खंभों में दरारें दिखने लगी हैं। 'नुकसान' का निरीक्षण करने के बाद राहुल ने आरोप लगाया कि घटिया निर्माण के कारण बैराज के कई खंभों में दरारें पड़ गई हैं।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष के बदले सुर

उत्तर प्रदेश में गठबंधन के सहयोगियों को नहीं करेंगे निराश: अखिलेश

एजेंसी | सहारनपुर (उप्र)

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 में से 65 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के संकेत देने वाले समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अपने गठबंधन के सहयोगियों को पहले कभी निराश नहीं किया है और आगे भी नहीं करेंगे।

यादव ने सपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में 65 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के संकेत देने और बाकी 15 सीटों पर गठबंधन के साथियों के संतुष्ट होने की संभावना से जुड़े सवाल पर संवाददाताओं से कहा कि सपा ने अभी तक जितने भी गठबंधन

किए हैं, उनमें हमारी कोशिश रही है कि गठबंधन के सहयोगी दलों का पूरा सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा कि जो भी हमारे गठबंधन के साथी हैं वे कभी पहले निराश नहीं हुए, वे आगे भी निराश नहीं होंगे।

सपा की मदद के बिना कोई गठबंधन नहीं जीत सकता चुनाव

सपा अध्यक्ष ने बुधवार को लखनऊ में हुई पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकर्ताओं से उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर मजबूत तैयारी करने के निर्देश देते हुए 65 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि प्रदेश में कोई भी गठबंधन सपा की मदद के बिना चुनाव नहीं जीत सकता इसलिए सपा सभी 80 सीटों पर बूथ स्तर तक पुख्ता तैयारी करे।

पीडीए ही राजग को हराएगा

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के तहत टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस के साथ हाल में हुई तल्खी के बारे में पूछे गए एक सवाल पर सपा प्रमुख ने कहा कि मध्य प्रदेश में जो बात खत्म हो गई है, उस बात को हम लोग न उठाएंगे। ये शायद हमारी समझ के बाहर था या फिर हमने ज्यादा समझ लिया था। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मध्य प्रदेश में अगर उनके (कांग्रेस) लोग बातचीत कर रहे हैं तो हमें साथ लेकर चलेंगे। अब साफ हो गया है कि राज्य स्तर पर कोई गठबंधन नहीं है तो कोई बात नहीं है लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर जो गठबंधन है उसको पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) एक रणनीति के तहत मदद करेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पीडीए ही भाजपा नीत राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को हराएगा। राजग के लोगों ने पीडीए को धोखा दिया है। भाजपा के राज में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, मुसलमान सबसे ज्यादा पीड़ित हैं और उनके साथ सबसे ज्यादा अन्याय हुआ है।

पूरे देश में भाजपा विरोधी लहर: स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की शानदार जीत का विश्वास जताते हुए गुरुवार को कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले शासन के खिलाफ देशव्यापी 'लहर' है। स्टालिन ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आवश्यक तैयारियों के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में कहा कि द्रमुक को न केवल तमिलनाडु बल्कि 'भारत' की रक्षा करने की जिम्मेदारी भी निभानी है। उन्होंने कहा कि द्रमुक की कड़ी मेहनत न केवल अपनी जीत के लिए है बल्कि देश के लोगों की 'मुक्ति' के लिए है, उन्हें उस भाजपा से बचाने के लिए है जिस पर कैग रिपोर्ट में '7.5 लाख करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार' का 'आरोप' लगाया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर प्रचार करने के साथ ही राज्य के मुख्य विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और भाजपा के बीच 'अपवित्र गठबंधन' को उजागर करना चाहिए। स्टालिन ने अपना यह आरोप दोहराया कि अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ने का दिखावा किया है। उन्होंने कहा कि आज, पूरे भारत में भाजपा विरोधी लहर है। आगामी लोकसभा चुनाव में भारत हमारा होगा।

जरूरी खबर

दिल्ली में प्रदूषण के कारण दो दिन बंद रहेंगे स्कूल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार रात घोषणा की कि प्रदूषण के बढ़ते स्तर के मद्देनजर दिल्ली के सभी सरकारी और निजी प्राथमिक विद्यालय अगले दो दिन तक बंद रहेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का स्तर इस सीजन में पहली बार गुरुवार को "गंभीर" श्रेणी में पहुंच गया। वैज्ञानिकों ने अगले दो सप्ताह में प्रदूषण और बढ़ने का अनुमान जताया है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रदूषण के बढ़ते स्तर मद्देनजर, दिल्ली के सभी सरकारी और निजी प्राथमिक विद्यालय अगले दो दिन तक बंद रहेंगे। दिल्ली के 37 निगरानी स्टेशनों में से कम से कम 18 में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) "गंभीर" श्रेणी में दर्ज किया गया है।

8 दिवसीय यात्रा पर आज भारत आएंगे भूटान नरेश

नई दिल्ली। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शुक्रवार से भारत की आठ दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भूटान नरेश की यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करने और अनुकरणीय साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। मंत्रालय के मुताबिक, भूटान नरेश वांगचुक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान भारत-भूटान संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

वॉट्सएप ने 71 लाख भारतीय खाते किए बैन

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाली वॉट्सएप ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों का अनुपालन करते हुए सितंबर में 71.1 लाख खातों पर प्रतिबंध लगाया है। लोकप्रिय संदेश एप द्वारा जारी भारत की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से 25.7 लाख खातों को उपयोगकर्ताओं की किसी भी रिपोर्ट से पहले सक्रिय रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया। भारतीय खातों की पहचान देश के कोड +91 से की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, एक से 30 सितंबर, 2023 के बीच 71,11,000 वॉट्सएप खातों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। वॉट्सएप ने अगस्त में 74 लाख खातों पर प्रतिबंध लगाया था।

बीएचयू: छेड़छाड़ के विरोध में सड़क पर उतरे विद्यार्थी

वाराणसी (उप्र)। वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के परिसर में बुधवार देर रात अपने दोस्त के साथ घूम रही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की एक छात्रा से कुछ बदमाशों ने छेड़छाड़ की और उसे कथित रूप से निर्वस्त्र कर उसका वीडियो भी बना लिया। इस घटना को लेकर सैकड़ों विद्यार्थियों ने गुरुवार को राजपूताना हॉस्टल के सामने धरना-प्रदर्शन किया।

RBI: डाक के जरिए भेज सकते हैं 2,000 के नोट

नई दिल्ली। लोग अब अपने 2,000 रुपए के नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए उन्हें बीमाकृत डाक के जरिए रिजर्व बैंक के निर्दिष्ट क्षेत्रीय कार्यालयों में भेज सकते हैं। यह उन लोगों के लिए एक आसान विकल्प है जो रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालयों से दूर रहते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक रोहित पी. ने कहा कि हम ग्राहकों को सबसे सहज व सुरक्षित तरीके से उनके खाते में सीधे राशि जमा कराने के वास्ते बीमाकृत डाक के जरिए 2,000 रुपए के नोट आरबीआई को भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह उन्हें निर्दिष्ट शाखाओं तक यात्रा करने और कतार में खड़े होने की परेशानियों से बचाएगा। उन्होंने कहा कि टीएलआर तथा बीमित पोस्ट, दोनों विकल्प अत्यधिक सुरक्षित हैं।

कांकेर जिले में चुनावी रैली को मोदी ने किया संबोधित

'परिवारवाद और भ्रष्टाचार ही कांग्रेस की है रीति-नीति'

एजेंसी | कांकेर (छत्तीसगढ़)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि परिवारवाद, भाई भतीजावाद और भ्रष्टाचार ही कांग्रेस की रीति-नीति है। पीएम मोदी ने आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र के कांकेर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार पर भारी भ्रष्टाचार में शामिल रहने का आरोप लगाया और कहा कि वह भ्रष्टाचार से लगातार लड़ते रहेंगे।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सबसे बड़ा धोखा छत्तीसगढ़ के हमारे युवाओं के साथ किया है। जो वादे किए, वे पूरे नहीं किए बल्कि पीएससी (छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग) को इन्होंने कांग्रेस कमेटी का दफ्तर बना दिया। पीएससी परीक्षा में कांग्रेस नेताओं के बच्चों का चयन किया गया। आपके बच्चों को बाहर कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवारवाद, भाई भतीजावाद और भ्रष्टाचार, यही कांग्रेस की नीति है और यही कांग्रेस की रीति है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा ने आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया तो उनका भी कांग्रेस ने अपमान किया।

मोदी ने कहा कि भाजपा ने एक आदिवासी परिवार की बेटी को राष्ट्रपति बनाने का फैसला किया, लेकिन कांग्रेस ने उनका भी विरोध किया। उनके खिलाफ प्रचार किया, भला-बुरा कहा। कांग्रेस का यह विरोध भाजपा के विरुद्ध नहीं था बल्कि यह आदिवासी बेटी के विरोध में था। छत्तीसगढ़ के हर आदिवासी को, आदिवासी बेटी का यह अपमान हमेशा याद रखना है और कांग्रेस को इसकी सजा देनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां कांग्रेस रहेगी वहां विकास नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प छत्तीसगढ़िया पहचान को सशक्त करने का है। भाजपा का संकल्प हर गरीब, आदिवासी पिछड़ों के हितों की रक्षा करना है। भाजपा का संकल्प छत्तीसगढ़ को देश के टॉप राज्यों में लाने का है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है, बल्कि यह आपके भविष्य, आपके बच्चों के भविष्य का फैसला करने का चुनाव है।

मंत्री राज कुमार आनंद के ठिकानों पर रेड

केजरीवाल के एक और मंत्री पर ED का शिकंजा

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन संबंधी एक मामले की जांच के तहत दिल्ली के कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राज कुमार आनंद के परिसरों और कुछ अन्य स्थानों पर गुरुवार को छापा मारा।

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस इलाके में स्थित मंत्री के परिसरों समेत एक दर्जन स्थानों पर सुबह साढ़े सात बजे से छापेमारी की कार्रवाई जारी है। छापा मार रहे निदेशालय के दलों के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की एक टीम भी है। आनंद के खिलाफ जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अंतरराष्ट्रीय हवाला लेनदेन के अलावा सात करोड़ रुपये से अधिक की सीमा शुल्क चोरी के लिए आयात की गलत जानकारी देने को लेकर आरोप पत्र दायर किया था। यह जांच इसी आरोप पत्र से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि एक स्थानीय अदालत ने हाल में डीआरआई अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लिया था जिसके बाद ईडी ने आनंद और कुछ अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया। आनंद (57) अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार में सामाजिक कल्याण और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री हैं। वह पटेल नगर से विधायक हैं।

ज्ञानवापी मामले में वाराणसी कोर्ट में सुनवाई

ASI को रिपोर्ट सौंपने के लिए मिला 17 नवंबर तक का समय

एजेंसी | वाराणसी (उप्र)

वाराणसी की अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वे की रिपोर्ट सौंपने के लिए 17 नवंबर तक का समय दिया है।

साथ ही अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने को जिलाधिकारी को सौंपने के मामले में मुस्लिम पक्ष को अपनी आपत्ति दाखिल करने के लिए छह नवंबर तक का समय दिया है। जिला न्यायाधीश इस मामले में अगली सुनवाई आठ नवंबर को करेंगे। जिला शासकीय अधिवक्तता राजेश मिश्रा ने बताया कि हिन्दू पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने पर मुस्लिम पक्ष द्वारा कब्जा किए जाने की आशंका जताते हुए इसे जिलाधिकारी को सौंपने के लिए वाद दाखिल किया था। केंद्र सरकार के अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव ने गुरुवार को बताया कि एएसआई ने ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का काम पूरा कर लिया है, लेकिन मगर सर्वे की रिपोर्ट और इस कवायद में इस्तेमाल किये गए उपकरणों की रिपोर्ट संकलित करने में कुछ और समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि अर्जी पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने एएसआई को रिपोर्ट जमा करने के लिए 17 नवंबर तक का समय दे दिया है।

470 किलोग्राम पटाखे जब्त

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 470 किलोग्राम पटाखे जब्त किए और दिल्ली मेट्रो के एक कर्मचारी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में प्रदूषण के स्तर पर लगाम लगाने के लिए एक जनवरी 2024 तक शहर में पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और पटाखे जलाने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। पूर्वी दिल्ली की पुलिस उपायुक्त अमृता गुगुलोथ ने बताया कि गुप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने 450 किलोग्राम पटाखे जब्त किए और 33 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

ईडी: छत्तीसगढ़ में पांच करोड़ की नकदी जब्त

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में लगभग पांच करोड़ रुपए नकद जब्त किए। ईडी ने दावा किया कि यह रकम महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले के संचालन से जुड़ी थी।

सूत्रों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक होटल से लगभग 3.12 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए, जबकि भिलाई में एक घर से 1.80 करोड़ रुपए बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी ने एक व्यक्ति को भी पकड़ा है, जिस पर कथित तौर पर इस राशि के लिए कूरियर के रूप में काम करने का आरोप है और जो कथित तौर पर पैसे पहुंचाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत आया था। सूत्रों के अनुसार, ईडी को संदेह है कि उक्त राशि महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले के संचालन से जुड़ी हुई है, जिसकी जांच धन शोधन रोधी कानून के तहत की जा रही है।

भोपाल: पीपुल्स ग्रुप की 230 करोड़ की संपत्ति जब्त

भोपाल। धनशोधन जांच के तहत भोपाल स्थित पीपुल्स समूह की करीब 230 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया गया है, जिनमें स्कूल, कॉलेज, पेपर मिल और अन्य इमारतें शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ईडी का मामला कंपनी कानून, 2013 की विभिन्न धाराओं के तहत सुरेश नारायण विजयवर्गीय, दिवंगत राम विलास विजयवर्गीय, पीपुल्स इंटरनेशनल एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, पीजीएच इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और पीपुल्स जनरल हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा दायर तीन आरोपपत्रों पर आधारित है।

चुनावी बॉन्ड योजना

SC का चुनाव प्रक्रिया में नकदी कम करने पर जोर, फैसला रखा सुरक्षित

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि राजनीतिक दलों के चंदे से संबंधित चुनावी बॉन्ड योजना को सत्ता के केंद्रों और दानदाताओं के बीच 'प्रतिकर' का एक जरिया नहीं बनना चाहिए। न्यायालय ने चुनावी प्रक्रिया में नकदी का प्रभाव कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि विधायिका और कार्यपालिका एक ऐसी प्रणाली तैयार कर सकती है, जिसमें इस योजना की 'खामियां' न हों और यह अधिक पारदर्शी हो। पीठ ने चुनावी बॉन्ड की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बहस के दौरान केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि आप अब भी एक ऐसी प्रणाली तैयार कर सकते हैं, जो आनुपातिक तरीके से संतुलन बनाए, बस यही कहना है। संविधान पीठ ने 31 अक्टूबर को चार याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू की थी। इनमें कांग्रेस नेता जया ठाकुर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) तथा गैर-सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की याचिकाएं शामिल हैं।

संविधान पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि जैसे ही किसी राजनीतिक दल को चुनावी बॉन्ड दिया जाता है, तो पार्टी को पता चल जाता है कि इसे किसने दिया है।

मेहता ने कहा, हां, उस पक्ष को पता चल जाएगा। दान देने वाला नहीं चाहता कि दूसरे पक्ष को इसकी जानकारी न हो। उन्होंने कहा कि हमें व्यावहारिकता के आधार पर नीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि हर पार्टी को पता है कि उन्हें चंदा देने वाले कौन हैं और अन्य पार्टी के संबंध में गोपनीयता की आवश्यकता है। पीठ ने पूछा, अगर ऐसा है तो सब कुछ मुक्त क्यों नहीं कर दिया जाता?

'माई लॉर्ड' कहना बंद कर देंगे तो आधी सैलरी दे दूंगा'

उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने न्यायिक कार्यवाही के दौरान अधिवक्ताओं द्वारा बार-बार 'माई लॉर्ड' और 'योर लॉर्डशिप्स' कहे जाने पर नाखुशी जताई है। जस्टिस ए. एस. बोपन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा ने एक नियमित मामले की सुनवाई के दौरान एक वरिष्ठ अधिवक्ता से कहा, 'आप कितनी बार 'माई लॉर्ड्स' कहेंगे? यदि आप यह कहना बंद कर देंगे, तो मैं आपको अपना आधा वेतन दे दूंगा।' अधिवक्ता बहस के दौरान जस्टिस को हमेशा 'माई लॉर्ड' या 'योर लॉर्डशिप' कहकर संबोधित करते हैं। इस प्रथा का विरोध करने वाले अक्सर इसे औपनिवेशिक युग का अवशेष और गुलामी की निशानी कहते हैं। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, 'आप इसके बजाय 'सर' का उपयोग क्यों नहीं करते?' उन्होंने कहा कि अन्यथा वह गिनना शुरू कर देंगे कि वरिष्ठ अधिवक्ता ने कितनी बार 'माई लॉर्ड्स' शब्द का उच्चारण किया। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने 2006 में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें निर्णय लिया गया था कि कोई भी वकील न्यायाधीशों को 'माई लॉर्ड' और 'योर लॉर्डशिप' कहकर संबोधित नहीं करेगा, लेकिन व्यवहार में इसका पालन नहीं किया जा सका।

चार उच्च न्यायालयों में 13 न्यायाधीश नियुक्त

देश के चार उच्च न्यायालयों में छह अधिवक्ताओं एवं सात न्यायिक अधिकारियों को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इन नई नियुक्तियों की जानकारी दी। ये नियुक्तियां उच्चतम न्यायालय की एक पीठ द्वारा हाल में यह कहे जाने के बाद की गई हैं कि नियुक्तियों में देरी अधिवक्ताओं को पीठ में शामिल होने से हतोत्साहित करती है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में सात और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में तीन न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। इसी तरह, दो न्यायाधीश पटना उच्च न्यायालय में नियुक्त किए गए हैं, जबकि एक को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया है। पिछले महीने, 11 न्यायिक अधिकारियों और छह अधिवक्ताओं को दिल्ली सहित आठ उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

कोलकाता के 8 नेशनल अवॉर्डी आर्टिस्ट्स ने डिस्प्ले किए 40 स्कल्पचर्स और 26 ड्रॉइंग्स

जयपुर में दर्शाए बनारस के घाट और महाभारत का युद्ध

बेधड़क, जयपुर। जयपुर में बनारस के घाट, महाभारत का युद्ध, प्रकृति और ममता के विभिन्न स्वरूप एक साथ देखने को मिले। कला के इस मूर्त रूप में देश की संस्कृति के किस्से दीवारों पर टंके थे। ये अनूठा नजारा देखने को मिला 'भास्कर्य' ग्रुप एग्जीबिशन में। रामगढ़ मोड स्थित आईसीए गैलरी में शुरू हुई ड्राविंग और स्कल्पचर्स में कलकत्ता के खूबसूरत रंग भी खास थे। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और कार्डियोलॉजी के सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजीव बगरहट्टा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में आकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कला को बारीकी से जाना।

फोटो: पंकज शर्मा

15 तक चलेगी प्रदर्शनी

15 नवंबर तक चलने वाली प्रदर्शनी में लीला, पावर, कृष्ण, घाट 31, सिटी ऑफ जॉय, दादा सिंगर्स, इमोशनल टच, रिलैक्सिंग, सर्च ऑफ वाटर, नेचर, अभिमन्यु, रिटर्निंग होम, रिदम को लाइफ, स्टॉर्म, राइटर, लैंग्वेज ऑफ स्पिरिट आदि से मॉडर्न, ट्राइबल और ट्रेडिशनल कल्चर को खूबसूरती देखी जा सकती है।

अवॉर्ड विनर आर्टिस्ट की कला कर रही आकर्षित

कलकत्ता स्कल्पचर्स संस्था के सहयोग से प्रदर्शनी में कोलकाता से जाने-माने अवॉर्ड विनर स्कल्पचर आर्टिस्ट्स ने कलाकृतियां शोकेस की, जिसमें साल 2020 के नेशनल अवॉर्डी, एएफए गवर्नर अवॉर्डी और रशियन गवर्नमेंट अवॉर्डी रतन कृष्ण साहा, एएफए के ऑल इंडिया बेस्ट स्कल्पचर अवॉर्डी सुब्रता पॉल और तापस सरकार, ललित कला अकादमी अवॉर्डी सुब्रता बिस्वास, चारुकला और ओरिएण्टल अवॉर्डी सोमनाथ चक्रबोर्ती, चन्दन रॉय, देबब्रता डे, प्रोवत माझी ने समूह में 40 स्कल्पचर्स और 26 ड्रॉइंग्स को डिस्प्ले किया। सभी स्कल्पचर्स ब्रांज धातु में तैयार किए गए हैं, जिसमें बारीक कारीगिरी दिखाते हुए गंगा के घाटों से लेकर प्रकृति के स्वरुप, कृष्ण लीलाओं से लेकर संगीत वाद्ययंत्र को शोकेस किया है।

जयपुर फुट निर्माण विधि देखी

बेधड़क. जयपुर। अमेरिका से आए युवा राजनीतिज्ञों के एक दल ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) के अमेरिकी राजनीतिज्ञों के निरीक्षण का यह कार्यक्रम फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की) के सौजन्य से हुआ। दल का स्वागत बीएमवीएसएस के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डीआर मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता एवं डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने किया। डॉ. पीके जैन ने निर्माण विधि की जानकारी दी। इस दल में डैमोक्रैट मेरेडिथ बीसन, जॉन फ्रैडरिकसन, इयान हाल्जहेवर तथा रिपब्लिकन क्रिष्टेन हॉयत, जाकारी माको दल का संचालन रिपलिकन रासेल कोलम्बो कर रही थीं।

आज होगा रिसर्च पर मंथन

बेधड़क. जयपुर। भारत सहित रोमानिया, इटली, यूके, कनाडा जैसे देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड मेटेरियल्स और मेक्ट्रोनिक्स सिस्टम में इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने पर मंथन करेंगे। मौका होगा जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी में 3-4 नवंबर तक होने जा रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड मैटेरियल्स और मेकाट्रोनिक्स सिस्टम्स (एआईएएमएमएस-2023) का, जिसमें 22 की-नोट स्पीकर्स शामिल होंगे। इसके लिए 410 शोध पत्र आए हैं, जिनमें से 242 शोध पत्र दुनिया भर से 450 से अधिक रीजरेचर्स की रिसर्च प्रक्रिया के बाद स्वीकार किए गए हैं। प्रोफेसर वेलेंटीना एमिलिया बालास, ऑटोमेशन और एप्लाइड इंफॉर्मेटिक्स विभाग, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट और ऑरेल व्लाइकू यूनिवर्सिटी ऑफ अराद, रोमानिया उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे। प्रोफेसर क्यूंग- यूं जोसेफ किम औद्योगिक और सिस्टम इंजीनियरिंग विभाग वेन स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए अतिथि होंगे। वाइस चेयरपर्सन जेईसीआरसी अर्पित अग्रवाल ने कहा कि कुछ विशेषज्ञ ऑन लाइन जुटेंगे।

पुरानी ड्रेस से सेलिब्रेशन

बेधड़क. जयपुर। कीर्ति नगर लेडीज क्लब की ओर से करवा चौथ सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। लेडीज ने इस दौरान 25 साल पुराने शादी के लहंगे पहने और करवा चौथ मनाया। आयोजक भारती खंडेलवाल ने बताया कि शादी की 25-30 साल पुरानी ड्रेस का महिलाओं में क्रेज रहा। इस दौरान महिलाओं ने फोटो शूट कराया व पार्टी एंजॉय की।

City इवेंट्स

युवाओं ने दिखाई क्रिएटिविटी

बेधड़क, जयपुर। संत जेवियर स्कूल में 'विराट कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। कक्षा 6 से 8 तक के स्टूडेंट्स ने इस दौरान क्रिएटिविटी दिखाई। उन्होंने 'शृंगार रस से लेकर हास्य रस तक व करुण रस से वीर रस तक की कविताओं के विभिन्न रंग बिखेरे। सोशल मीडिया और नारी शक्ति जैसे विषयों पर बच्चों ने सफलतम प्रस्तुति दी। उन्होंने कर्त्तव्य पथ पर अग्रसर करने वाली कविताएं सुनाकर आकर्षित किया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित सुरेश मिश्रा और विशिष्ट अतिथियों केएम अग्रवाल और जगवीर सिंह ने मोटिवेट किया। कार्यक्रम संचालन वरिष्ठ अध्यापक विष्णु शरण शर्मा व सरोज नौटियाल ने किया।

1378 सीए को देंगे सर्टिफिकेट

बेधड़क, जयपुर। दी इस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया की सेन्ट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल की ओर से शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा। सीए प्रकाश शर्मा व सीए रोहित रुवाटिया अग्रवाल ने बताया कि टैगौर इन्टरनेशनल स्कूल कैम्पस दीप स्मृति ओडिटोरियम में संस्थान की ओर से 1378 नए सीए सदस्यों को मैम्बरशिप सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रिंसिपल चीफ कमीशनर ऑफ इन्कम टैक्स राजस्थान इरिना गर्ग होंगी। समारोह में राजस्थान के नए सीए सदस्यों जिनको मैम्बरशिप अप्रेल-2023 से 20 अक्टूबर-2023 तक मिली है, भाग ले सकते हैं। गौरतलब है कि काउंसिल में राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ व उत्तराखण्ड सम्मिलित होते हैं। दीक्षांत समारोह भारत के अहमदाबाद, पुणे, चैन्नई, हैदराबाद, बैंगलोर, कोलकाता, गाजियाबाद, इन्दौर, जयपुर, दिल्लीर, लुधियाना में 4 नवम्बर को व मुम्बई में 4-5 नवंबर को होगा।

दीपावली सामग्री का निशुल्क वितरण

बेधड़क. जयपुर। श्री राम सेवा संगम समिति ने भामाशाहों के प्रयासों से सरकारी स्कूल, आश्रम एवं अन्य स्थानों पर निशुल्क दीपावली सामग्री वितरण का अभियान शुरू किया है। जनता को समर्पित एवं सेवाओं को देखते हुए स्वास्थ्य कर्मी, सफाई कर्मी और पुलिस कर्मियों को यह सामग्री भेंट करने के इस अभियान का शुभारंभ शिप्रा पथ, मानसरोवर, एवं मुहाने थाने में किया किया गया है। शिप्रा पथ थाना इंचार्ज विनोद सांखला, मानसरोवर थाना इंचार्ज महावीर सिंह, मुहाना थाना इंचार्ज गौतम डोटासरा के नेतृत्व में भामाशाह जयदीप एवं सीमा नाग के माध्यम से दीपावली सामग्री भेंट की गई। समिति फाउंडर अनुज श्रीवास्तव ने रोजगार से जुड़े इस अभियान के बारे में सभी को अवगत कराते हुए सहयोग की अपील की। इस मौके पर शिरीष माथुर, राजीव कासलीवाल, हिमांशु धीर, जेपी सिंह, राहुल सैनी भी उपस्थित रहे। पाठशाला की निदेशक मीनाक्षी श्रीवास्तव ने रोजगार अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए सभी का आभार प्रकट किया।

दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन कल से होगा शुरू

जयपुर डायलॉग में चर्चा करेंगी साहित्य राजनीतिक हस्तियां

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगरी में जयपुर डायलॉग्स-2023 का दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन शनिवार से होटल क्लार्क आमेर में होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार, विचारक, आलोचक, विषय विशेषज्ञ, विश्लेषक और टिप्पणीकार विभिन्न विषयों पर संवाद करेंगे।

जयपुर डायलॉग फोरम चेयरमैन संजय दीक्षित ने बताया कि सम्मेलन की थीम भारत एक चौराहे पर होगी। जयपुर डायलॉग का यह वार्षिक आयोजन अब डिजिटल फुटप्रिंट पर भी है।

राष्ट्रवादियों के आयोजन में राष्ट्रीय विचारक सुधांशु त्रिवेदी, मंसूर हल्लाज, शहजाद पूनावाला, अभिजीत चावड़े, विक्रम संपत, आनंद रंगनाथन, मीनाक्षी जैन, प्रतिक बोराडे और अनुज धर जैसे विचारक और विषय विशेषज्ञ शिरकत करेंगे। जयपुर डायलॉग के अध्यक्ष सुनील कोठारी व सचिव पंकज जोशी ने बताया, कि कोरोना काल में लगातार 2 साल तक आयोजन से श्रोता अतिथियों से भौतिक रूप से रूबरू नहीं हो पाए थे। इस दौरान जयपुर डायलॉग वर्चुअल आयोजित किया गया था। विकास और विनाश में विचारों का बड़ा महत्व है। विचारों को पतवार देने तथा विकास की यात्रा को आगे बढ़ाना की सोच पर आधारित आयोजन में कई नवीन आयाम जुड़ने जा रहे हैं। बीते 7 वर्ष के काल में भी विचारों की इस कड़ी को आगे बढ़ाया गया और अब देश के समक्ष मौजूद चुनौतियों के वास्तविक स्तर तक इसे आगे पहुंचाने का क्रम जारी है।

तेलुगु उपन्यास 'गोपात्रुडु' पर नाटक का मंचन

वैचारिक मान्यताओं ने किया सवाल-धरती गोल या सपाट?

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगरी में साउथ के रंग कहानी और कला के रूप में निखरे। जब नाटक केएन वाई पतंजली लिखित 'गोपात्रुडु' नामक हास्य-व्यंग्य तेलुगु उपन्यास का रूपांतरण अभिनय के जरिए सामने आया। इसका हिन्दी अनुवाद राजीव वेलिचेती ने किया।

यह नाटक एक व्यक्ति 'गोपात्रुडु' को उसके दिवंगत पिता से विरासत में मिली उसकी वैचारिक मान्यताओं के इर्द-गिर्द घूमता है। इससे यह बहस शुरू होती है, कि धरती का आकार क्या है? गोल या सपाट?

राजस्थान कॉलेज में हुए नाटम में धरती के आकार को लेकर शुरू हुई बहस एक अप्रत्याशित राजनीतिक मोड़ लेती है और इसके परिणामस्वरूप गांव में 2 समूह अपने स्वार्थ, लाभ और विभिन्न जोड़-तोड़ के माध्यम से झूठी मान्यताओं के लिए विभाजित हो जाते हैं। पृथ्वी के आकार पर बहस विपरीत धारणाओं, राजनीतिक भ्रष्टाचारों, सामाजिक जोड़-तोड़ और सत्ता के खेल की कठोर वास्तविकताओं का चित्रण है। नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी शिवा प्रसाद टुमु ने किया है व सह निर्देशन राहुल कुमावत का रहा।

नाटक में कॉलेज के विद्यार्थियों नीतेश, स्वरूप, हिमांशु, लखन, आर्यन, अजय, यथार्थ, विकास, गर्वित , अनिमेश, विशाल, कनिष्क, कुशाल, कार्तिक, नीरज, चंद्रिका, वैभव, शुभम और वेदप्रकाश ने अभिनय करते हुए जीवंत कर दिया। नाटक के मंचन में हृषीकेश शर्मा, विपिन, कल्पना, काजोल, विजय का सहयोग रहा।

कार्यशाला | यूनिसेफ और फ्यूचर सोसाइटी ने शुरू किया 'जेंडर सेंसेटिव राजस्थान' अभियान

खबरों में महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें पत्रकार

बेधड़क | जयपुर

देश में लैंगिक समानता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिस पर बात होती है, लेकिन अमल नहीं किया जाता। आजादी के इतने साल बाद भी लैंगिक समानता नहीं है, जो हैरान कर देने वाली बात है। यह विचार पीआईबी राजस्थान की एडीजी रितु शुक्ला ने पत्रकारिता के क्षेत्र को मेल डोमिनेटेड बताते हुए रखे। मौका था फ्यूचर सोसाइटी व यूनिसेफ की पहल पर 'जेंडर सेंसेटिव राजस्थान' अभियान के आगाज का। इस अवसर पर इंदिरा गांधी पंचायत भवन में पत्रकारों व पत्रकारिता के विद्यार्थियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान "महिला मुद्दों" को प्रकाशन में प्राथमिकता देने पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण में पीआईबी की सहायक महानिदेशक रितु शुक्ला, यूनिसेफ राजस्थान प्रमुख इसाबेल बार्डेम, वरिष्ठ पत्रकार व हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफसर त्रिभुवन, महिला मुद्दों के वरिष्ठ पत्रकार नसीरुद्दीन व जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी अध्यक्ष अमित अग्रवाल और सोसायटी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने संबोधित किया।

महिला सशक्तीकरण पर हुई चर्चा

यूनिसेफ राजस्थान प्रमुख इसाबेल बार्डेम ने महिला सशक्तीकरण पर कहा, कि महिलाओं की सामान्य पहुंच ना होने की वजह से मानसिक और शारीरिक अपराध बढ़ रहे हैं। राजस्थान सहित देश भर में उच्च शिक्षा से महिला भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है और मीडिया से ही महिलाओं के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की बात की जाती है, लेकिन जब वे आधी आबादी हैं तो उन्हें 50 फीसदी हिस्सेदारी क्यों नहीं दी जाती? उन्होंने कई देशों के उदाहरण देकर इस बात को समझाया।

शिक्षा की कमी से सब परेशानियां

जेईसीआरसी विश्वविद्यालय के अमित अग्रवाल ने कहा कि लिंग असमानता का मुद्दा राजस्थान में हमेशा से रहा है। यहां बेटियों को बोझ या पराया धन समझा जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण है शिक्षा की कमी। सत्र के समापन पर फ्यूचर सोसायटी अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा ने कार्यशाला में मौजूद पत्रकारों को महिला मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात कही। आयोजक रविता शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, शुक्रवार, 03 नवंबर, 2023

10

संघर्ष जरूर सफल होगा, यह आज नहीं तो कल होगा,
सूरज जैसा बनना है तो सूरज जैसा तपना होगा।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

हर तरफ मौत का साम्राज्य, कोहराम और लाशें...

गाजा में मारे गए 3,600 बच्चे

एजेंसी | दीर अल बलाह

इजराइल और हमास के बीच युद्ध के पहले 25 दिनों में 3,600 से अधिक फलस्तीनी बच्चे जान गंवा चुके हैं । गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गई। उसने बताया कि बच्चे हवाई हमलों से प्रभावित हुए, रॉकेटों का निशाना बने, विस्फोटों से जल गए और इमारतों के मलबों में दब गए।

इनमें नवजात शिशु और छोटे बच्चे, विद्यार्थी, महत्वाकांक्षी पत्रकार और वो बच्चे भी शामिल थे, जिन्होंने सोचा कि वे गिरिजाघर में सुरक्षित रहेंगे। भीड़-भाड़ वाली गाजा पट्टी के 23 लाख निवासियों में से लगभग आधे 18 वर्ष से कम उम्र के हैं, और युद्ध में अब तक मारे गए लोगों में से 40 प्रतिशत बच्चे हैं।

बाइडेन ने की युद्धविराम की अपील

मिनियापोलिस। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार शाम को कहा कि फिलिस्तीन में मानवीय जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित के लिए इजराइल-हमास युद्ध में 'कुछ देर विराम' की आवश्यकता है। बाइडेन ने उनके चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एक प्रदर्शनकारी द्वारा इजराइल-हमास युद्ध के बीच संघर्ष विराम का आह्वान करने के बाद यह बात कही। बाइडेन ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ देर के विराम की आवश्यकता है।' यह अपील बाइडेन और अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के शीर्ष सहयोगियों के अब तक रहे रुख से अलग है। सहयोगी कहते आ रहे हैं कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान यह कहते रहे हैं कि वे यह निर्देश नहीं देंगे कि हमास द्वारा सात अक्टूबर के हमले के जवाब में इजराइल अपना सैन्य अभियान कैसे चलाए।

राजदूत ग्रार्सेटी ने संबंधों को सराहा, कहा-

भारत अमेरिका के लिए है बहुत अहम

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने गुरुवार को कहा कि भारत अमेरिका के लिए सबसे अहम देश है और उनके बीच का संबंध सदी के सर्वाधिक अहम रिश्तों में से एक हैं। गार्सेटी ने दिल्ली में 'ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपुल एंड प्लैनेट' (जीईएपीपी) द्वारा आयोजित 'द एनर्जी ट्रांजिशन डायलॉग्स' में यह टिप्पणी की। राजदूत ने कहा, "मैं इसे निजी तौर पर कहता था लेकिन अब मैं इसे सार्वजनिक रूप से कह सकता हूं, जब (अमेरिकी) राष्ट्रपति ने मुझसे (भारत में राजदूत के) पद पर विचार करने को बोला तो उन्होंने कहा कि भारत मेरे लिए दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण देश है। मुझे नहीं पता कि क्या किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने कभी ऐसा कहा है... राष्ट्रपति जो बाइडन का वास्तव में यही मतलब था।"

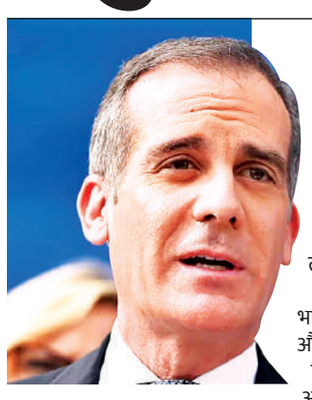

दोनों देशों की कंपनियां उठा सकती हैं लाभ

गार्सेटी ने कहा, "यह तेजी से विकसित होता संबंध है। देखिए कि कैसे हमने अपने इतिहास के अब तक के सबसे अच्छे जी20 में हिस्सा लिया। निस्संदेह भारत ने इसका नेतृत्व किया और आपके अद्भुत नेतृत्व के लिए धन्यवाद।" कारोबारी अवसरों पर उन्होंने कहा कि भारतीय और अमेरिकी बाजारों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के काफी मौके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की कंपनियां एक-दूसरे के बाजारों में अवसरों से लाभ उठा सकती हैं।

कैंपबेल बने उप विदेश मंत्री

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने मौजूदा उप सहायक कर्ट कैंपबेल को देश का उप विदेश मंत्री नामित किया है। बाइडेन ने एशिया के साथ ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित करने वाली विदेश नीति तैयार करने के उनके प्रशासन के प्रयासों के तहत यह कदम उठाया है।

पाक में 11 फरवरी को आम चुनाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देश में आम चुनाव 11 फरवरी को होंगे। आयोग की इस सूचना के बाद से देश में चुनाव को लेकर लंबे समय से जारी अनिश्चितता की स्थिति समाप्त हो गई।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता सजील स्वाति ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण की प्रक्रिया 29 जनवरी तक पूरी हो जाएगी, इससे चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। उन्होंने यह बात तब कही जब उच्चतम न्यायालय ने उन याचिकाओं पर सुनवाई प्रारंभ की जिनमें नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानमंडलों के भंग होने के 90 दिन के भीतर चुनाव कराए जाने का अनुरोध किया गया था।

नई स्टडी में वैज्ञानिकों खुलासा

15 करोड़ साल लुप्त हुआ था महाद्वीप

एजेंसी | वॉशिंगटन

एक नई स्टडी में वैज्ञानिकों ने हाल ही में आर्गोलैंड नाम के एक खोए हुए महाद्वीप के रहस्य का खुलासा किया है। अनुमान है कि यह प्राचीन भू-भाग 15.5 करोड़ साल पहले पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया से अलग हो गया था। ऐसा माना जाता है कि यह दक्षिण पूर्व एशिया की ओर बढ़ते हुए लुप्त हो गया था। दरअसल, टेक्टॉनिक ताकतों के कारण इसमें खिंचाव हुआ और यह टूटा। इससे जुड़ा साक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित गहरे समुद्री बेसिन अर्गो एबिसल मैदान में पाया गया था। एक भारतीय उपमहाद्वीप जो 12 करोड़ साल पहले अलग हो गया था वह आज भी बरकरार है।

जोड़ने की कोशिश रही नाकाम

शोधकर्ताओं को इंडोनेशिया और म्यांमार के आसपास बिखरे प्राचीन भूमि के टुकड़े मिले। उन्होंने कहा कि जब इन टुकड़ों से अर्गोलैंड को वापस बनाने की कोशिश की गई तो कुछ भी फिट नहीं हुआ। इसके बाद टीम ने आर्गोलैंड की उत्तर दिशा की यात्रा का पता लगाने के लिए दक्षिण पूर्व एशिया में सबूत इकट्ठा किए। प्राचीन भूमि के बिखरे हुए टुकड़ों के बीच उन्होंने 20 करोड़ साल पहले के छोटे महासागरों के अवशेषों की खोज की। इनका निर्माण संभवतः अर्गोलैंड में दरार पड़ने से पहले हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में था कहीं

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक नीदरलैंड के यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय में पृथ्वी विज्ञान के एक शोधकर्ता और इस स्टडी के प्रमुख लेखक एल्डर एडवोकाट ने कहा, 'हमें पता था कि यह महाद्वीप ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में कहीं होगा, इसलिए हमें दक्षिण पूर्व एशिया में इस महाद्वीप के पाए जाने की उम्मीद थी।' नए अध्ययन में एडवोकाट और उनके सहयोगियों ने कहा गया कि हमने एक महाद्वीप को नहीं खोया, बल्कि यह पहले से ही बहुत फैला और खंडित था।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl